शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 66 | गुवाहाटी | गुरुवार, 3 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दुनिया का सबसे सफल जन आंदोलन बना स्वच्छ भारत अभियान : पीएम — पेज 2

राज्य के विभिन्न हिस्सों में दिखा महालया का उल्लास — पेज 3

हरियाणा में आने के लिए राहुल गांधी को हुड्डा से लेनी पड़ती है इजाजत : रवि शंकर प्रसाद — पेज 5

बुमराह नंबर 1 गेंदबाज बने, करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर पहुंचे जयसवाल — पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
शत्रु की दुर्बलता जानने तक उसे अपना मित्र बनाए रखें।
- आचार्य चाणक्य

ईरान के मिसाइल हमले बाद नेतन्याहू की हुंकार, कहा–

बड़ी गलती कर ली...भुगतेगा परिणाम

अमेरिका बोला–हम इजराइल के साथ

यरुशलेम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनके देश पर मिसाइल हमले के लिए ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई का आह्वान किया। नेतन्याहू ने देर रात सुरक्षा कैबिनेट की बैठक में कहा कि ईरान ने आज रात बड़ी गलती की है और उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मिसाइल हमला एक नाकामी थी और ईरान को जल्द ही एक दर्दनाक सबक मिलेगा जैसा गाजा, लेबनान और अन्य स्थानों पर दुश्मनों को मिला है। उन्होंने कहा कि जो भी हम पर हमला करता है। हम उन पर हमला करते हैं। ईरान ने इजराइल पर कई मिसाइलें दागी हैं जिससे इजराइलियों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी लेकिन ईरान में जश्न मनाया गया। मंगलवार को हुए हमले में हताहतों की संख्या के बारे में अभी कोई खबर नहीं मिली है। इजराइल ने कहा कि उसने कई मिसाइलों को बीच में ही रोक दिया। वाशिंगटन में अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी विध्वंसकों ने इजराइल की रक्षा में मदद की। वहीं, ईरान ने कहा कि उसकी ज्यादातर मिसाइलें लक्ष्य पर ही गिरीं। ईरान के *रिवोल्यूशनरी गार्ड* ने कहा कि इजराइल के खिलाफ दागी गयी 90 प्रतिशत मिसाइलों ने सफलतापूर्वक अपने लक्ष्यों पर हमला किया। ईरान ने मंगलवार देर रात सरकारी टीवी पर प्रसारित बयान में कहा गया कि हमले में हवाई –शेष पृष्ठ दो पर

फिर दहला गाजा, इजराइली एयर स्ट्राइक में मारे गए 50 से ज्यादा फिलीस्तीनी

गाजा सीटि। दक्षिणी गाजा में इजराइली हवाई हमलों के कारण कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बुधवार को दी। खान यूनिस के यूरोपियन –शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने को कहा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के संबंध में बुधवार को कहा कि हम पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति के बिगड़ने पर चिंतित हैं। भारत ने सभी संबंधित पक्षों से संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा कि यह जरूरी है कि मौजूदा संघर्ष व्यापक क्षेत्रीय रूप अख्तियार न करे। भारत ने सभी मुद्दों को विचार-विमर्श –शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने महात्मा गांधी को किया याद

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर उन्हें हृदय से नमन करते हुए सभी देशवासियों से गांधी जी के विचारों पर आगे बढ़ाने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा आज सुबह गुवाहाटी के दक्षिण सरनिया पहाड़ पर स्थित गांधी जी की प्रतिमा को नमन करते हुए फूल चढ़ाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट और एक फोटो शेयर करते हुए कहा कि जीवन में अहिंसा को बढ़ावा देते हुए मानव प्रेम, जाति प्रेम, मानवता की सेवा और देवत्व के मूल सिद्धांतों के साथ सभी के प्रिय महात्मा गांधी ने देशवासियों को वर्तमान में आलोकित किया है और आगे भी आलोकित करते रहेंगे। ये है विश्व प्रसिद्ध मनीषी की हस्ती का असर। उन्होंने कहा कि आज *गांधी जयंती* पर मैं उन्हें हृदय से नमन करता हूं। पूज्य बापू जी की जयंती पर शत शत नमन! मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि बापू एक असाधारण क्रांतिकारी थे और दुर्लभ दूरदर्शिता का प्रदर्शन किया। जन सेवा और समाज कल्याण के उनके आदर्शों पर खरे उतरना हमारा सामूहिक प्रयास है। उनके विचार हमें एक बेहतर समाज के निर्माण में मार्गदर्शन देते रहते हैं।

न्यूज गैलरी

असम में पकड़े गए 14 बांग्लादेशी

गुवाहाटी। असम में घुसपैठ करते हुए 14 बांग्लादेशी पकड़े गए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में अवैध रूप से प्रवेश करते पकड़े गए बांग्लादेशियों में से नौ के पास आधार कार्ड थे। एक्स पर सीएम शर्मा ने पोस्ट किया कि बांग्लादेशियों को दक्षिण सलमारा-मनकाचर और करीमगंज जिलों में पकड़ा गया। इनमें से नौ के पास भारतीय आधार कार्ड पाए गए। सीएम ने असम –शेष पृष्ठ दो पर

फायरिंग मामले में गोविंदा के बयान से सहमत नहीं पुलिस

मुंबई (हि.स.)। फिल्म अभिनेता गोविंदा फायरिंग मामले में पुलिस गोविंदा के बयान से सहमत नहीं है। इसलिए पुलिस अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद फिर से बयान दर्ज करेगी। बुधवार को गोविंदा को आईसीयू से जनरल वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है, जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहुजा ने बुधवार को –शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने असम को दिया चार बायो-गैस इकाइयों का तोहफा

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में ऑयल इंडिया लिमिटेड की चार कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) संयंत्रों के निर्माण की शुरुआत की। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर देशभर में कई सीबीजी संयंत्रों के लिए आयोजित भूमि पूजन समारोह का हिस्सा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली से वर्चुअली इसका उद्घाटन किया। पीएम ने भोपाल में भी एक संयंत्र का उद्घाटन किया। इससे सतत और पारिस्थितिकी-सम्मत ऊर्जा परिदृश्य को बढ़ावा दिया जा सकेगा। असम में प्रमुख ओआईएल परियोजनाएं गुवाहाटी, जोरहाट, शिवसागर और तिनसुकिया में स्थित हैं। पीएम मोदी ने कहा कि गोबर हमारे गांवों में बदलाव ला रहा है। भारत के गांवों में सैकड़ों बायो-गैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले गांव वालों के लिए गोबर का प्रबंधन एक समस्या थी, और यदि गाय या बैल उम्र के कारण अप्रभावी हो जाता था तो यह और भी जटिल हो जाता था। लेकिन अब इन बायो-गैस संयंत्रों के आने से अप्रभावी पशुओं का गोबर भी हमारे किसानों की मदद कर रहा है। उन्होंने कहा कि शहरीकरण के कारण कचरे का उत्पादन बढ़ रहा है और नए प्रकार के कचरे जैसे ई-कचरा भी सामने आ रहे हैं। हमें इस मुद्दे को हल करने के लिए नई तकनीकों की आवश्यकता है। उन्होंने भविष्य में निर्माण में पुनर्नवीनीकरण को शामिल करने और नए आवासीय परिसर को न्यूनतम कचरा उत्पन्न करने के लिए डिजाइन करने पर जोर दिया। ऑयल इंडिया लिमिटेड, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस –शेष पृष्ठ दो पर

स्वच्छता अभियान के दौरान झड़प, गोलीबारी में कई घायल, इलाके में निषेधाज्ञा लागू

इंफाल। मणिपुर के उखरूल में बुधवार को स्वच्छता अभियान के दौरान दो गुट आपस में भिड़ गए। अस दौरान दोनों गुटें के बीच गोलीबारी हुई, जिसके बाद वहां निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। दोनों गुट नागा समुदाय से थे, लेकिन अलग-अलग गांव से थे। गोलीबारी में कुछ लोग घायल भी हुए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए असम राइफल्स को तैनात किया गया है। प्रतिबंध को लेकर उखरुल उप-मंडल मजिस्ट्रेट डी. कामेई ने पुलिस अधीक्षक के पत्र का हवाला दिया। पत्र में थवाईजाओ हुंगपुंग युवा छात्र संगठन (टीएचवाईएसओ) के सामाजिक कार्य में अनहोनी की आशंका जताई गई थी। इसके अलावा इसमें हुनफुन ग्राम प्राधिकरण की ओर से हुनफुन क्षेत्र में इसे लेकर आपत्ति जताए जाने की बात भी कही गई थी। आदेश के अनुसार, हुनफुन और हंगपुंग गांवों के बीच भूमि विवाद के संबंध में कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होने की संभावना है। इससे दोनों गांवों के बीच शांति भंग हो सकती है। ऐसी घटनाओं से मानव जीवन –शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड को 83300 करोड़ की योजनाओं की सौगात

आदिवासियों के विकास से ही देश मजबूत होगा : पीएम

हजारीबाग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के हजारीबाग में 83,700 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज मुझे एक बार फिर झारखंड की विकास यात्रा में सहभागी बनने का सौभाग्य मिल रहा है। कुछ ही दिन पहले मैं जमशेदपुर आया था। जमशेदपुर से मैंने झारखंड के लिए सैकड़ों करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया था। आज पूज्य बापू की जन्म जयंती है। आदिवासी विकास के लिए उनका विजन, उनके विचार हमारी पूंजी है। गांधी जी का मानना था कि –शेष पृष्ठ दो पर

आज से हेमंत सरकार की विदाई यात्रा शुरू : हिमंत

हजारीबाग (हि.स.)। झारखंड विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि आज परिवर्तन यात्रा संपन्न हुई और हेमंत सरकार की विदाई यात्रा प्रारंभ हुई है। उन्होंने कहा कि जनता ने परिवर्तन का संकल्प ले लिया है। सभा में उमड़ा जन सैलाब यह साफ साफ बता रहा कि जनता हेमंत सरकार से ऊब चुकी है। हजारीबाग में परिवर्तन यात्रा के समापन पर सभा को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि वादा खिलाफी, झारखंड के मान-सम्मान पर चोट, बदलती –शेष पृष्ठ दो पर

चीन ने भारत के साथ समझौतों का किया उल्लंघन : जयशंकर

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि चीन ने भारत के साथ सीमा समझौतों का उल्लंघन किया है। साथ ही कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव जारी रहने से शेष संबंधों पर स्वाभाविक रूप से असर पड़ेगा। अमेरिकी थिंक टैंक कारनेगी एनडोमेंट फार इंटरनेशनल पीस में एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्री ने कहा कि जहां तक चीन के साथ हमारे संबंधों की बात है तो यह एक लंबी कहानी है। संक्षेप में कहें तो सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए हमारे बीच समझौते थे। चीन ने उनका उल्लंघन किया। हमने सेनाओं

को अग्रिम मोर्चों पर तैनात कर रखा है और उससे तनाव पैदा हो रहा है। जब तक अग्रिम मोर्चों पर तैनाती का मसला नहीं सुलझता, तनाव बना रहेगा। अगर तनाव रहेगा तो बाकी रिश्तों पर भी स्वाभाविक रूप से असर पड़ेगा। व्यापार के संबंध में जयशंकर ने कहा कि वैश्विक विनिर्माण (मैनुफैक्चरिंग) में चीन की हिस्सेदारी लगभग 31-32 प्रतिशत है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कई दशकों तक पश्चिम के नेतृत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय कारोबार जगत ने आपसी हितों के लिए चीन के साथ सहयोग करने का चुनाव किया। आज किसी भी देश के लिए जो –शेष पृष्ठ दो पर

जापान में फटा द्वितीय विश्व युद्ध का बम, मच गया हड़कंप

टोक्यो। द्वितीय विश्व युद्ध के समय का एक अमेरिकी बम अचानक जापानी हवाई अड्डे पर फट गया। यह बम इस एयरपोर्ट में दफन था, लेकिन बुधवार को उसमें विस्फोट हो गया, जिससे हड़कंप मच गया। ब्लास्ट से *टैक्सीवे* में बड़ा गड्ढा हो गया और 80 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जापानी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूमि एवं परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पश्चिमी जापान के मियाजाकी –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

दुनिया का सबसे सफल जन आंदोलन बना स्वच्छ भारत अभियान : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को स्वच्छ भारत अभियान को इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनआंदोलन करार दिया और कहा कि *विकसित भारत* की यात्रा में हर प्रयास *स्वच्छता से संपन्नता* के मंत्र को मजबूत करेगा। स्वच्छ भारत अभियान आरंभ होने के 10 साल पूरे होने के अवसर पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वच्छता और सफाई से संबंधित 9,600 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने स्वच्छता को हर नागरिक के जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए भावी पीढ़ियों में इस मूल्य का संचार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज से एक हजार साल बाद भी जब 21वीं सदी के भारत का अध्ययन होगा तो उसमें स्वच्छ भारत अभियान को जरूर याद किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जनभागीदारी, जन नेतृत्व वाला जन आंदोलन है। इस मिशन ने मुझे ईश्वररूपी जनता-जनार्दन की साक्षात ऊर्जा के भी दर्शन कराए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास *स्वच्छता से संपन्नता* के मंत्र को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छता की प्रतिष्ठा बढ़ने से देश में एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले साफ-सफाई

के काम से जुड़े लोगों को किस नजर से देखा जाता था, यह पूरा देश जानता है लेकिन स्वच्छ भारत अभियान ने इस सोच को भी बदल दिया। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई करने वालों को आज जब मान-सम्मान मिला तो उनको भी गर्व हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान लाखों भारतीयों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है और पिछले 10 वर्षों में अनगिनत नागरिकों ने इसे अपनाया है और अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता आजीवन प्रतिज्ञा है, न कि एक बार किया गया कोई वादा। हमें स्वच्छता को हर नागरिक के जीवन का अभिन्न अंग बनाते हुए भावी पीढ़ियों में इस मूल्य का संचार करना होगा। उन्होंने कहा कि गंदगी के प्रति नफरत ही हमे स्वच्छता के लिए मजबूर कर सकती है और मजबूत भी कर सकती है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर जल संरक्षण, जल शोधन और नदियों की सफाई के महत्व को भी रेखांकित किया और इसे प्राप्त करने के लिए लगातार नई तकनीकों में निवेश करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने पर्यटन पर स्वच्छता के महत्वपूर्ण प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि देशवासियों को पर्यटन स्थलों, पवित्र तीर्थ स्थलों और सांस्कृतिक विरासत की स्वच्छता और साफ-सफाई को बनाए रखना चाहिए। मोदी ने इस अवसर पर स्वच्छता पर विशेष ध्यान न देने के लिए कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसने आजादी मिलने के बाद महात्मा गांधी के नक्शेकदम पर चलने का दावा किया कि उनके नाम पर सत्ता हासिल की लेकिन स्वच्छता को लेकर बापू के दृष्टिकोण की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि वर्षों तक उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए गांधी जी की विरासत का दोहन किया लेकिन स्वच्छता पर उनके जोर को आसानी से भुला दिया। मोदी ने कहा कि उन्होंने गंदगी को ही जिंदगी मान लिया...इसके परिणामस्वरूप लोग गंदगी में रहने के आदी हो गए, गंदगी और नकारात्मकता उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई। साथ ही समाज में स्वच्छता को लेकर होने वाली चर्चाएं भी। उन्होंने कहा कि इसीलिए उन्होंने लाल किले की प्राचीर से इस मुद्दे को उठाया था लेकिन उनका मजाक उड़ाया गया और कहा गया कि शौचालय के बारे में बात करना प्रधानमंत्री का काम नहीं है। उन्होंने कहा कि ... लेकिन मैं नहीं रुकूंगा... भारत के प्रधानमंत्री के रूप में मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता मेरे साथी नागरिकों के जीवन को आसान बनाना है! कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया उनमें मिशन अमृत और अमृत 2.0 के तहत शहरी जल और गंदे नाले की व्यवस्था को बेहतर करने के उद्देश्य से 6,800 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत गंगा बेसिन क्षेत्रों में जल गुणवत्ता और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार पर केंद्रित 1550 करोड़ रुपए से अधिक की 10 परियोजनाएं और गोबरधन योजना के तहत 1332 करोड़ रुपए से अधिक की 15 संपीड़ित बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र परियोजनाएं शामिल हैं।

असम में विनिवेश की संभावना को स्वीकार करे कांग्रेस : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी को यह स्वीकार करना चाहिए कि असम में विनिवेश की पर्याप्त संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे बड़े-बड़े उद्योगों को असम में लाने की दिशा में बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज वह समय आ गया है, जब कर्नाटक जैसा विकसित प्रदेश असम को विकास के रास्ते पर देखने लगा है। कर्नाटक सरकार ने माना है कि सेमीकंडक्टर की स्थापना से असम का तेज विकास होगा। असम सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में रहेगा। मुख्यमंत्री आज यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े तीन वर्षों के उनके शासनकाल में असम विकास की अलग बुलंदियों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब असम को उग्रवाद की धरती के रूप में पहचाना जाता था। लेकिन, आज असम की पहचान विकास की धरती के रूप में होने लगी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अन्य कई मुद्दे पर भी अपनी बातें कहीं।

हमलों के लिए पटाखे व अगरबत्तियों का इस्तेमाल कर रहे नक्सली

नई दिल्ली। सीआरपीएफ शिविरों में मौजूद जवानों का ध्यान भटकाने के लिए नक्सली पटाखों और अगरबत्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि वे फिर रॉकेटों और राइफलों से हमले कर सकें। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनका यह अनोखा तरीका तेलंगाना में कोठागुडेम जिले में सीआरपीएफ के पुसुगुप्पा शिविर के समीप संज्ञान में आया है। नक्सल विरोधी अभियान में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उस दिन अंधेरा होते ही शाम 6.30 बजे तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा से लगे शिविर में मौजूद जवान वहां से 200 मीटर दूर धमाकों की आवाज व उसके बाद निकले धुएं से चौकन्ने हो गए थे। घने जंगल में नक्सली हमले की आशंका से जवानों ने पोजिशन ले ली। जल्द ही छिपे हुए नक्सलियों की ओर से फायरिंग व ग्रेनेड के धमाकों की आवाज गूंजने लगी। जवानों ने भी जवाबी फायरिंग की और फिर नक्सली भाग गए। शिविर के आसपास निरीक्षण में पेड़ों से लटके हुए पटाखे मिले जिनमें विस्फोट करने के लिए अगरबत्तियों का इस्तेमाल किया गया था। अगरबत्तियों का इस्तेमाल टाइमर के रूप में हुआ था ताकि पटाखों में विस्फोट से पहले नक्सली सुरक्षित स्थान पर पहुंच सकें।

एसएसबी की प्रथम वाहिनी ने मनाया स्वच्छ भारत दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर ने कार्यवाहक कमांडेंट उप कमांडेंट एसी सिंह की देख रेख में आज महात्मा गांधी जयंती के मद्देनजर श्रद्धांजलि ज्ञापित करने के लिए डिगारु रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। एसएसबी प्रथम वाहिनी ने स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान का आरंभ गत 14 सितंबर से 01 अक्तूबर तक *स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता* की थीम के साथ *स्वच्छ भारत दिवस* की प्रस्तावना के रूप में स्वच्छ भारत मिशन के संदेश का प्रचार का आयोजन किया था। इस अभियान के दौरान उप-कमांडेंट अतुल कुमार जोशी, उप- कमांडेंट वीरेंद्र सिंह मेहरा, बलकर्मियों के साथ जीवन चंद्र दास, अधीक्षक, डिगारू रेलवे स्टेशन, रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय लोगो ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। उधर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) गुवाहाटी फ्रंटियर ने अपना 14वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर बीएसएफ गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक मकरंद देउस्कर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा में तैनात जवानों के समर्पण और योगदान की सराहना की।

पान-गुटखा सड़क पर थूकने वालों की फोटो अखबार में छपे : गडकरी

नई दिल्ली। गांधी जयंती के अवसर पर देशभर में स्वच्छता समारोह का आयोजन किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आज नागपुर महानगरपालिका के स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने लोगों को गांधीगिरी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग पान मसाला, गुटखा खाकर सड़कों पर थूकते हैं, उनकी तस्वीरें लेकर अखबार में छापी जानी चाहिए। इसके अलावा गडकरी ने सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी करने वालों के बारे में भी बात की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हमारे देश के लोग बड़े चालाक हैं। चॉकलेट खाते हैं और उसका रैपर सड़कों पर फेंक देते हैं। वही व्यक्ति जब विदेश जाते हैं तो चॉकलेट का रैपर अपनी जेब में रखते हैं और वहां अच्छे व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं, लेकिन यहां सड़कों पर कचरा फेंक देते हैं। गडकरी ने लोगों को समझाने के लिए खुद का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि मैं भी आजकल चॉकलेट खाता हूं, लेकिन चॉकलेट का रैपर घर जाकर फेंकता हूं। पहले मुझे भी आदत थी कि गाड़ी में खाकर रैपर बाहर फेंक देता था। देशभर में स्वच्छता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में बच्चों के साथ झाड़ू उठाकर सफाई की। इस अवसर पर पीएम मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान को दुनिया का सबसे बड़ा और सफल जनआंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की यात्रा में स्वच्छता का योगदान समृद्धि के मंत्र को मजबूत करेगा। पीएम मोदी ने इस अवसर पर जल संरक्षण और नदियों की सफाई के महत्व पर भी बात की। उन्होंने स्वच्छता का पर्यटन पर सकारात्मक प्रभाव बताते हुए कहा कि देशवासियों को पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक धरोहरों और पवित्र तीर्थ स्थलों की साफ-सफाई बनाए रखनी चाहिए। आगे उन्होंने कहा मैं उन सभी लोगों को सलाम करता हूं जिन्होंने इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए योगदान दिया है। आज 2 अक्तूबर के दिन मैं कर्तव्यबोध से भरा हुआ हूं और भावुक भी हूं। स्वच्छ भारत मिशन के दस साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने लोगों से इस कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर जुड़ने की अपील की।

खटखटी में दो युवकों का शव बरामद

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। बोकाजान के खटखटी थाना क्षेत्र के जर टकबी गांव में एक घर के अंदर से दो शव बरामद किया गया। महालया की खुशी के बीच इस घटना के कारण पूरे गांव में सन्नाटा छा गया। पुलिस ने आज बताया कि मृतकों की पहचान मनोज छेत्री (25) और इसाक पूर्ति (21) के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल से सिरिंज बरामद करने के बाद संदेह व्यक्त किया कि अत्यधिक नशीली दवाओं के सेवन के कारण दोनों युवकों की मौत हो गई होगी। हालांकि, पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए डिफू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है।

दो युवकों के अपहरण से बढ़ा तनाव, सड़कों पर उतरा मैतेई समुदाय, जमकर किया प्रदर्शन

इंफाल। मणिपुर पिछले एक साल से हिंसा की आग में जल रहा है। इस बीच राज्य में दो युवकों के अपहरण के विरोध में मैतेई समूह की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने बंद का आह्वान किया, जिसके चलते बुधवार को इंफाल घाटी के पांच जिलों में सामान्य जनजीवन पर काफी प्रभावित हुआ। इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल जिलों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरूद्ध किया जिसकी वजह से दुकानें और अन्य संस्थान बंद रहे। पुलिस के मुताबिक इस प्रदर्शन में भारी तादाद में महिलाएं भी शामिल हुईं, जिन्होंने थौबल में मेला मैदान, वांगजिंग, यैरीपोक और खांगबोक में एनएच 102 को जाम कर दिया। इस दौरान महिलाओं ने सड़क पर प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की, वहीं युवाओं ने गाड़ियों की आवाजाही को रोकने के लिए सड़को टायर जलाए। जेएसी के संयोजक का कहना है कि जब तक अपहरण किए गए दोनों युवक रिहा नहीं हो जाते तब तक ये विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। दरअसल थौबल जिले में पिछले हफ्ते तीन युवकों का कंगपोकपी में अपहरण कर लिया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों युवकों को हथियारबंद कुकी उग्रवादियों ने उस वक्त अगवा कर लिया था, जब वो शनिवार दोपहर इंफाल पश्चिम जिले के न्यू कीथेलमानबी में भर्ती परीक्षा में शामिल होने जा रहे थे। हालांकि सेना ने तलाशी अभियान के दौरान रविवार को एक युवक निंगोमबाम जॉनसन सिंह को बचा लिया, लेकिन दो अन्य युवक-ओइनम थोइथोई सिंह और थोकचोम थोइथोइबा सिंह अभी भी उग्रवादियों के कब्जे में हैं। वहीं कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने इस मुद्दे को लेकर सूबे की सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख के मेघचंद्र का कहना है कि युवकों का अपहरण राज्य में कानून व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हाल ही में सूबे की मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और विधायकों के साथ एक संयुक्त बैठक के दौरान उन्होंने सीएम से संवैधानिक प्रावधानों और देश के कानूनों को लागू करने की गुजारिश की थी।

पृष्ठ एक का शेष

बड़ी गलती कर ...

और रडार ठिकानों के साथ-साथ सुरक्षा तंत्र को भी निशाना बनाया गया, जहां हमास और हिजबुल्ला के वरिष्ठ नेताओं की हत्या की योजना बनाई थी। इसमें कहा गया कि ईरान को अंतर्राष्ट्रीय नियमों के तहत अपनी रक्षा करने का अधिकार है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने अराक, कौम और तेहरान में लोगों की इजराइल में ईरान के मिसाइल हमले का जश्न मनाते हुए तस्वीरें प्रसारित कीं। इजराइली सेना ने कहा कि उसे ईरान के मिसाइल हमले में लोगों के हताहत होने की खबरें नहीं मिली है। इजराइल पर ईरान के हमले के बाद अमेरिका ने इजराइल का साथ देने की बात कही है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि अमेरिका (यूएस) इजराइल का *पूरी तरह से समर्थन* कर रहा है और वह उचित प्रतिक्रिया को लेकर सहयोगियों के साथ *सक्रिय चर्चा* कर रहा है। बाइडेन ने ईरान के मिसाइल हमले को नाकाम करने के लिए अमेरिका तथा इजराइल की सेनाओं की भी प्रशंसा की। बाइडन ने व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ एक बैठक की शुरुआत में मंगलवार को कहा कि भूल में न रहें, अमेरिका पूरी, पूरी तरह इजराइल के साथ है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इजराइल में अपने समकक्ष योव गैलेंट के साथ बातचीत की। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने फ्रांस और इजराइल के अनुरोध पर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर बुधवार सुबह एक आपात बैठक बुलायी है।

फिर दहला गाजा...

हॉस्पिटल ने बताया कि इजराइल की ओर से मंगलवार की रात और बुधवार को किए गए भारी हवाई हमलों और जमीनी अभियानों के बाद शवों को बरामद किया गया। इस दौरान कई इलाके तबाह हुए हैं, और नागरिकों के बीच व्यापक नुकसान की आशंका जताई जा रही है। इजराइली सुरक्षा बलों ने बताया कि ये हमले हिजबुल्लाह और हमास के खिलाफ की गई कार्रवाई के तहत किए गए हैं। इजराइल ने दावा किया है कि ये हमले उनके सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि हमलों ने उन्हें और उनके परिवारों को भयभीत कर दिया है। कई लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हो गए हैं, और सहायता की कमी के कारण स्थिति और बिगड़ती जा रही है। अस्पतालों में घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, और चिकित्सा सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं।

भारत ने सभी ...

और कुटनीति के जरिए हल किए जाने पर जोर दिया है। बयान में इजराइल पर ईरान के मिसाइल हमले और उसके पहले के घटनाक्रम का सीधे रूप से उल्लेख नहीं किया गया है। इसमें किसी पक्ष की सीधे रूप से आलोचना भी नहीं की गई है। इससे पहले भारत सरकार ने परामर्श जारी कर नागरिकों को ईरान की गैर-जरूरी यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। साथ ही ईरान में रह रहे भारतीयों को परिस्थिति को लेकर सजग रहने को कहा गया है। ईरान के इजराइल पर किए गए हमले और मध्यपूर्व में कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहे यहूदी देश की चेतावनी को देखते हुए यह परामर्श जारी किया गया है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारत क्षेत्र के सुरक्षा हालात में हालिया तनाव पर करीब से नजर रखे हुए है। इसी बीच विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने मध्य पूर्व में इजराइल और ईरान के बीच तनाव की बढ़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने सभी से इसके वैश्विक प्रभावों पर विचार करने की अपील की है। उन्होंने चिंता जताई की यह तनाव संघर्ष को व्यापक रूप दे सकता है। वाशिंगटन में एक थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हम संघर्ष के बढ़ने की आशंका को लेकर चिंतित हैं। आतंकी हमले के बाद इजराइल का जवाब जरूरी था लेकिन किसी भी देश को प्रतिक्रिया देते समय अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून को ध्यान में रखना चाहिए। उसे नागरिकों को होने वाली क्षति या प्रभाव के बारे में सावधान रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीती रात ईरान ने इजराइल में बड़ी संख्या में बैलस्टिक मिसाइल दागी हैं। इनमें से कई अपने निशाने पर भी लगी हैं। नुकसान की अभी स्पष्ट जानकारी नहीं है। इजराइल ने इस हमले के खिलाफ ईरान को चेतावनी दी है। दुनिया के कई देशों ने ईरान के हमले की निंदा की है।

पीएम मोदी ने असम ...

मंत्रालय के साथ निकट समन्वय में, 2024-25 तक 25 सीबीजी संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है, जो सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) के निवेश या निजी उद्यमियों के साथ साझेदारी के माध्यम से होंगे। कंपनी के एक बयान में कहा गया, जब भारत साफ ऊर्जा अग्रणी बनने की अपनी दृष्टि की ओर बढ़ रहा है, तो इन सीबीजी संयंत्रों की स्थापना एक हरित और अधिक लचीले भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ये संयंत्र उन्नत शून्य तरल निकासी प्रणालियों को शामिल करते हैं, जिससे पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित होता है। प्रत्येक संयंत्र हर दिन आसपास के नगर निगमों से 125 टन ठोस शहरी कचरे को संसाधित करने में सक्षम है। इससे कचरे को हर दिन लगभग 2 टन सीबीजी में बदला जाएगा। उत्पन्न बायोगैस को निकटतम उपलब्ध शहर गैस वितरण नेटवर्क में एकीकृत किया जा सकता है या सीधे सीएनजी खुदरा विक्रेताओं को आपूर्ति की जा सकती है। कंपनी ने कहा कि कचरे का इस कुशल उपयोग प्रदूषण को कम करने में योगदान करता है, जबकि साफ ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करता है। यह पहल भारत सरकार की *सस्टेनेबल अल्टरनेटिव टुवर्ड्स अफोर्डेबल ट्रांसपोर्टेशन* और गोबरधन योजना के साथ मेल खाती है, जिसका उद्देश्य सीबीजी के उपयोग को बढ़ावा देना है। कंपनी ने जोर दिया कि ये संयंत्र स्थानीय समुदायों में महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए तैयार हैं, जिससे आर्थिक विकास और इन क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार होगा। यह पहल देश की आयातित ईंधनों पर निर्भरता को कम करने में भी योगदान देगी, ऊर्जा स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।

स्वच्छता अभियान के ...

और संपत्तियों को खतरा हो सकता है। इसलिए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 163 के तहत कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति की उनके संबंधित आवासों के बाहर आवाजाही और किसी भी अन्य गतिविधि पर रोक लगाने का आदेश जारी किया जाता है। निषेधाज्ञा दो अक्तूबर को सुबह साढ़े नौ बजे से अगले आदेश तक जारी रहेगा। मणिपुर के पांच इंफाल घाटी जिलों में दो युवकों के अपहरण को लेकर मैतेई समूह संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) द्वारा बुलाए गए बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। इस दौरान दुकानें और अन्यवाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद थे। पूर्वी-पश्चिमी इंफाल, थौबल और बिष्णुपुर और काकचिन में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। थौबल में मंगलवार से बंद था, महिलाओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को अवरुद्ध कर दिया था। पूर्वी इंफाल जिले के खुरांग और लामलोंग में बंद को सख्ती से लागू किया गया था।

आदिवासियों के विकास...

भारत का विकास तभी हो सकता है, जब जनजातीय समाज का तेज विकास हो। मुझे संतोष है कि आज हमारी सरकार आदिवासी उत्थान पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के तहत अपना पक्का घर मिला था। और अब कुछ ही दिनों के भीतर आज झारखंड में 80 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये योजनाएं आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान से जुड़ी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इसका लाभ देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई-बहनों को मिलेगा। झारखंड के आदिवासी समाज को भी इसका बहुत बड़ा फायदा होगा। मुझे खुशी है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की धरती से हो रही है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के दिन यहां झारखंड से ही पीएम-जनमन योजना भी लॉन्च हुई थी। अगले महीने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर हम पीएम-जनमन योजना की पहली वर्षगांठ मनाएंगे। इस योजना के जरिए आज देश के उन आदिवासी इलाकों में भी विकास पहुंच रहा है, जो सबसे पीछे छूट गए थे। आज यहां पीएम-जनमन योजना के तहत भी करीब साढ़े 1,300 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास हुआ है। अभी मैंने यहां धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस योजना पर करीब 80 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत करीब 550 जिलों में 65,000 आदिवासी बहुल गांवों का विकास करने का अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेले व्यवहार का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह बताना चाहिए कि राज्य की बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपए की राशि क्यों नहीं जारी की जा रही है। जयराम रमेश ने पोस्ट करते हुए पूछा कि आज जब प्रधानमंत्री झारखंड में हैं तब उन्हें इन सवालों के जवाब जरूर देने चाहिए। वह झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ क्यों नहीं जारी कर रहे हैं? प्रधानमंत्री झारखंड के 8 लाख लोगों को घर देने के अपने वादे को पूरा क्यों नहीं कर रहे हैं? वे इंजीनियरिंग कॉलेज कहां हैं जिनका प्रधानमंत्री ने 2014 में वादा किया था?

आज से हेमंत ...

डेमोग्राफी, तुष्टिकरण, जल जंगल जमीन की लूट, भ्रष्टाचार के मुद्दे झारखंड की जनता के दिलो-दिमाग में समा गया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन यात्रा से नए झारखंड का जन संकल्प सामने आया है। इससे पूर्व कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का स्वागत किया। सभा की अध्यक्षता बाबूलाल मरांडी एवं सभा का संचालन विधायक नीरा यादव ने किया। इस दौरान मंच पर केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, अन्नपूर्णा देवी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, चम्पई साईर, प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, क्षेत्रीय संगठन प्रभारी नागेंद्र नाथ त्रिपाठी, सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, प्रदीप वर्मा, सांसद मनीष जायसवाल, काली चरण सिंह, समीर उरांव, निशिकांत दुबे, बीड़ी राम, विधुत वरन् महतो, ढुल्लू महतो, चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक अपर्णा सेन गुप्ता, अमित यादव, शशि भूषण मेहता, नारायण दास, रामचंद्र चंद्रवंशी, अनंत ओझा, बिरंची नारायण, नीलकंठ सिंह मुंडा, रणधीर सिंह, पुष्पा देवी, सीपी सिंह, राज सिन्हा, आलोक चौरसिया, नवीन जायसवाल, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह व सभा स्थल पर लाखों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

जापान में फटा ...

हवाई अड्डे पर जब बम विस्फोट हुआ, तब वहां कोई विमान नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मरक्षा बलों और पुलिस द्वारा की गई जांच से पुष्टि हुई है कि विस्फोट 500 पाउंड के अमेरिकी बम से हुआ था और अब कोई खतरा नहीं है। वे यह पता लगा रहे हैं कि अचानक विस्फोट किस वजह से हुआ। पास के एक एविएशन स्कूल द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में विस्फोट से डामर के टुकड़े हवा में फव्वारे की तरह उछलते हुए दिखाई दिए। जापानी टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में *टैक्सीवे* में एक गहरा गड्ढा दिखाई दिया। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि हवाई अड्डे पर 80 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं तथा उम्मीद है कि गुरुवार सुबह तक परिचालन फिर से शुरू हो जाएगा। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अमेरिकी सेना द्वारा गिराए गए कई बम बरामद हुए हैं, जो नहीं फटे हैं।

असम में पकड़े गए ...

पुलिस बल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब से बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण हुई है। हम सीमा पर कड़ी नजर रख रहे हैं। इस अवधि में 108 घुसपैठियों को पकड़ा है। असम के करीमगंज, कछार, धुबड़ी और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किमी लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। करीमगंज के सुतारकांदी में एक एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) है। पूर्वोत्तर में तीन आईसीपी हैं। जिनमें से दो अन्य मेघालय के डौकी और त्रिपुरा के अखौरा में स्थित है। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने हाल ही में कहा था कि राज्य पुलिस और बीएसएफ कानून के अनुसार गैर-भारतीयों को बांग्लादेश से देश में प्रवेश करने के प्रयास को रोकने की हर संभव कोशिश की जा रही है। सभी भारतीय पासपोर्ट धारकों को संकटग्रस्त बांग्लादेश से लौटने की अनुमति दी जाएगी।

फायरिंग मामले में...

पत्रकारों को बताया कि गोविंदा की तबीयत में तेजी से सुधार हो रहा है। इस वक्त गोविंदा की बेटी टीना भी मां के साथ हैं। सुनीता आहुजा ने बताया कि उन्हें 2 से 3 दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। उल्लेखनीय है कि गोविंदा को मंगलवार को सुबह उनकी ही रिवाल्वर से मिस फायर होने से गोली लग गई थी। इसके बाद गोविंदा को तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। अस्पताल में आपरेशन कर गोविंदा के पैर से मंगलवार को ही गोली निकाल दी गई और आज उन्हें जनरल वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। इस मामले में जुहू पुलिस स्टेशन की टीम ने गोविंदा, उनकी पत्नी और बेटी का बयान दर्ज किया है। गोविंदा ने अपने बयान में कहा है कि वे कहीं बाहर जाने वाले थे, इसीलिए अपना लाइसेंसी रिवाल्वर साफ कर रहे थे। उसी समय रिवाल्वर नीचे गिर गया और उससे गोली चल गई, जो उनके पैर में लग गई। पुलिस के गले से नीचे गोविंदा की थ्योरी उतर नहीं रही है। इसका कारण अगर गोविंदा को बाहर जाना था तो उन्हें रिवाल्वर साफ करने की क्यों सूझी। अगर रिवाल्वर साफ करते समय नीचे गिरा तो फिर जमीन पर गिरे रिवाल्वर से गोली अपने आप कैसे चली? पुलिस को शक है कि गोविंदा जरूर कुछ न कुछ छिपा रहे हैं। इसलिए अस्पताल से निकलने के बाद फिर से गोविंदा का बयान दर्ज करेगी। हालांकि पुलिस ने इस मामले की बैलेस्टिक जांच भी की है, जिसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है।

चीन ने भारत ...

किसी भी तरह की खपत करता है या विनिर्माण करता है तो चीन से सोर्सिंग करना अपरिहार्य है। जयशंकर ने कहा कि भारत युद्धरत रूस और यूक्रेन के बीच संवाद स्थापित कर रहा है ताकि दोनों देशों को अपने मतभेद सुलझाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति यह है कि हम इस बात में विश्वास नहीं करते कि विभिन्न देशों के बीच मतभेदों या विवादों का समाधान युद्ध से किया जा सकता है। दूसरा, युद्ध के मैदान में निर्णायक परिणाम हासिल नहीं किए जा सकते। तीसरा, अगर युद्ध से निर्णायक परिणाम नहीं मिल रहे हैं तो कभी न कभी किसी न किसी रूप में वार्ता करनी होगी। वार्ता होगी तो कुछ तैयारी, कुछ अन्वेषण और संबंधित पक्षों के बीच कुछ संवाद करना होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विदेश मंत्री ने कहा कि हम संघर्ष के व्यापक होने की संभावना से बहुत चिंतित हैं, न सिर्फ जो लेबनान में हुआ, बल्कि हाउतियों एवं लाल सागर तक भी, और कुछ हद तक ईरान और इजरायल के बीच जो कुछ भी हुआ है। जापान के नए प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के एशियन-नाटो बनाने के विचार के बारे में जयशंकर ने कहा कि भारत उनके दृष्टिकोण से सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत कभी भी किसी देश का संधि के जरिये सहयोगी नहीं रहा है। भारत का इतिहास अलग है और दृष्टिकोण भी अलग है।

ट्रक चालक पर लगा प्रोफेसर की हत्या का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट यातायात पुलिस चौकी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हुए एक दुर्घटना के बाद कॉटन कॉलेज के प्रोफेसर की हत्या किए जाने का आरोप ट्रक चालक के ऊपर लगा है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह जोराबाट इलाके में ट्रक (एनएल-01एएच-2789) द्वारा कॉटन कॉलेज के प्रोफेसर ध्रुवज्योति बर्मन की कार (एएस 01एफटी-2170) में ठोकर मारे जाने के बाद ट्रक चालक और ध्रुवज्योति बर्मन के बीच दुर्घटना को लेकर वाद-विवाद हुआ। वाद-विवाद इतना बढ़ गया कि ट्रक चालक ने लोहे के रॉड से प्रहार कर ध्रुवज्योति बर्मन को मौत के घाट उतार दिया। यह आरोप ध्रुवज्योति बर्मन के परिजनों द्वारा लगाया गया है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची जोराबाट यातायात पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वही दुर्घटना का कारण बने ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। घटना के समय ध्रुवज्योति बर्मन अपनी कर से गुवाहाटी से तेजपुर की ओर जा रहे थे।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में दिखा महालया का उल्लास

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी सहित असम के विभिन्न हिस्सों में महालया का पर्व आज बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महालया के दिन से ही दुर्गा पूजा की तैयारियों की शुरुआत होती है और लोकमान्यता के अनुसार, इस दिन मां दुर्गा धरती पर अवतरित होती हैं। महालया के इस विशेष अवसर पर राज्य के शहरों और कस्बों में श्रद्धालु भारी संख्या में जुटकर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किए। राजधानी गुवाहाटी के विभिन्न घाटों पर सुबह लोगों ने तर्पण किया। भारी संख्या में लोग नदी के किनारे घूमने आए। महालया के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। बिश्वनाथ जिले में महालया का उल्लास देखते ही बनता था। सुबह की ठंडी हवा में श्रद्धालुओं की भीड़ विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों द्वारा आयोजित शोभायात्रा में शामिल हुई। खासकर महिलाएं और बच्चे देवी-देवताओं के वेश में सज-धज कर इस यात्रा में भाग ले रहे थे। सुबह के समय वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक हो उठा था। लोगों ने मां दुर्गा के धरती पर आगमन का स्वागत किया और पूजा-अर्चना की। पूरे बिश्वनाथ में इस मौके पर उल्लास और उत्सव का माहौल बना हुआ था। दूसरी ओर, दरंग जिले के मंगलदोई में भी महालया के अवसर पर एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। सुबह होते ही हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। पुरुषों और महिलाओं ने देवी दुर्गा की स्तुति करते हुए पूरे शहर का भ्रमण किया। शोभायात्रा के अंत में भक्तों ने मंगलदोई नदी के किनारे दीप जलाकर मां दुर्गा का आह्वान किया। इस अवसर पर मंगलदोई का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक और भक्तिपूर्ण हो गया था। तामुलपुर के कौली में महालया पर विशेष प्रात: शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यहां की 75वीं सार्वजानिक दुर्गा पूजा समिति ने इस यात्रा की अगुवाई की। ब्राह्मणों द्वारा चंडी पाठ के साथ यात्रा का शुभारंभ किया गया। प्रभातफेरी निकाली गई, जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। गोलाघाट जिले के बोकाखात में महालया के दिन शहर के ऐतिहासिक बारवारी पूजा मंडप में श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही उमड़ने लगी थी। जिससे माहौल आध्यात्मिक हो गया। साथ ही डिफलू पथ के काक गोशानी चातनी थान में मां का आशीर्वाद लेने के लिए भारी संख्या में लोग उपास्थित हुए। धुबड़ी जिले में महालया के दिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। टाउन क्लब द्वारा एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। धुबड़ी के झंकार डांस ग्रुप ने धुबड़ी घाट पार्क में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। यहां महिषासुर वध का नाट्य रूपांतरण भी प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही, धुबड़ी के कालिबाड़ी मंदिर में भी विशेष पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शक्ति पूजा के प्रसिद्ध स्थल नलबाड़ी में महालया के साथ ही दुर्गोत्सव की तैयारियां तेज हो गईं। साहपुर के ऐतिहासिक राजाघाट दुर्गा पूजा की 105वीं वर्षगांठ की तैयारियां भी चल रही हैं। यह पूजा एक मुस्लिम परिवार द्वारा शुरू की गई थी। हर साल लाखों श्रद्धालु इस पूजा में भाग लेते हैं। इस बार पूजा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त की गई है, जिससे किसी भी अव्यवस्था को रोका जा सके। गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में महालया के दिन का दृश्य काफी उत्साहपूर्ण रहा। यहां महालया के उत्सव में भाग लेने आए सैकड़ों लोगों के साथ-साथ सड़क पर जंगली हाथियों का भी आगमन हुआ। मोरंगी इलाके के राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पर हाथियों का झुंड सड़क पर विचरण करते दिखा, जिससे यात्रियों में थोड़ी देर के लिए दहशत का माहौल भी बना। हालांकि, महालया के उल्लास में कोई कमी नहीं आई और श्रद्धालु पूजा-अर्चना में जुटे रहे। लखीमपुर जिले के ढकुआखाना के ऐतिहासिक श्रीश्री ईश्वरी हरि मंदिर में महालया के दिन विशेष पूजा और बलि विधान का आयोजन किया गया। इस मंदिर में 1722 ईस्वी में स्थापित शक्ति पीठ पर मां दुर्गा की पूजा की जाती है। महालया के दिन हंस और बकरों की बलि दी गई और अष्टमी के दिन यहां विशेष रूप से एक महिष की बलि दी जाएगी। मंदिर समिति ने सरकारी निर्देशों के अनुसार पूजा की पूरी तैयारियां कर ली है। जोरहाट के गढ़आली क्षेत्र में महालया के अवसर पर सुबह से ही विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ यहां प्रात:कालीन शोभायात्रा और भक्ति संगीत में भाग लेने के लिए जुटी। यहां का वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक था। श्रद्धालुओं ने महालया की पवित्रता को मनाने के लिए धार्मिक आयोजनों में हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों ने भक्ति संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्बी आंग्लांग के बोकाजान में महालय के अवसर पर बोकाजन के कालीबाड़ी में पूजा अर्चना के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस समय लोगों में काफी उत्साह दिखाई दिया। सुबह से लोग विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना करते देखे गए। तिनसुकिया के लिडू में भी महालया का उल्लास देखने लायक था। यहां के श्मशान काली मंदिर में, दिशारी एनजीओ और मंदिर समिति द्वारा *आगमनी* कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धालु बड़ी संख्या में सुबह से ही मां दुर्गा के आगमन का स्वागत करने के लिए सड़कों पर उतर आए। इसके अलावा, लिडू रेलवे रंगमंच में मृदु सुहासिनी नृत्यांजलि डांस अकादमी द्वारा विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां भक्तों ने भक्ति संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों का आनंद लिया। असम के हर कोने में महालया का उत्सव पूरी भव्यता के साथ मनाया गया। यह दिन असम के लोगों के लिए न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भी संदेश देता है।

असम और अरुणाचल में बीआरओ ने टास्क फोर्स के सहयोग से चलाया *स्वच्छता अभियान* कार्यक्रम

गुवाहाटी। असम और अरुणाचल प्रदेश में बीआरओ और उसके टास्क फोर्स के प्रोजेक्ट वर्तक ने पिछले पखवाड़े में पर्यावरण को बढ़ाने और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सफलतापूर्वक *स्वच्छता अभियान* का आयोजन किया। यह पहल 17 सितंबर को शुरू हुई और 02 अक्तूबर को स्वच्छ भारत दिवस पर संपन्न हुई। *स्वच्छता ही सेवा अभियान* तेजपुर, टेंगा, बमडिला, तवांग, डमतेंग, सैपर, जंग, खिरमू और बीआरओ की सभी टुकड़ियों में चलाया गया। लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान, स्वच्छता संवाद, बीआरओ स्कूलों में स्वच्छता कार्यशालाएं, स्वच्छता मार्च, सफाईमित्र का सम्मान, निवारक स्वास्थ्य जांच, पेंटिंग प्रतियोगिता और ब्लैक स्पॉट की सफाई जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। यह अभियान स्वच्छता और पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने में सफल रहा, लोगों में जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया और एक स्वच्छ, हरियाली भविष्य के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय उद्यान मनाह में जंगली हाथी की मौत

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के राष्ट्रीय उद्यान मनाह के भुइयांपारा रेंज इलाके में लगाई गई सोलर फेंसिंग विद्युत प्रवाही तार की चपेट में आने से एक हाथी की मौत हो गई। वन विभाग में बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय उद्यान में एक हाथी की मौत की जानकारी मिली है। सूचना मिलते ही भुइयांपारा रेंज के रेंजर विवेकानंद पाठक के साथ वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। राष्ट्रीय उद्यान के चिकित्सकों द्वारा हाथी का पोस्टमार्टम किया गया। वन विभाग ने प्रारंभिक जांच में पाया कि राष्ट्रीय उद्यान में लगाए गए सोलर फेंसिंग विद्युत प्रवाही तार की चपेट में आने से हाथी की मौत हुई है। वन विभाग ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू किया है।

कामरूप जिला प्रशासन ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस

रंगिया (विभास)। देश के विभिन्न स्थानों के साथ साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती आज कामरूप जिले में भी अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाई गई। बुधवार को कामरूप ग्रामीण जिले के अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर किया गया। कामरूप जिले के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर अपने भाषण में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के योगदान को श्रद्धा के साथ याद किया। जिला आयुक्त ने अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर अहिंसा और शांति का शपथ पाठ भी करवाया। इस कार्यक्रम में कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिगंत कलिता, पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमांग ठाकुरिया, मुख्यमंत्री के विशेष कर्तव्य अधिकारी हेमंत चौधरी, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता,

कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ गोस्वामी, अतिरिक्त आयुक्त प्रणब दत्ता गोस्वामी, मुनमी कलिता, कमल बरुवा, सुजाता गोगोई सहित भास्कार्य कलाकार बीरेन सिंह, उत्तर गुवाहाटी महाविद्यालय के असमिया विभाग के व्याख्याता डॉ. तारिणी कांत हालोइ, ददरा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यक्ष परेश वैश्य और जिला आयुक्त, कार्यालय के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

महालया के अवसर पर गुवाहाटी के शुक्रेश्वर पर स्नान कर अपने पूर्वजों के याद करते श्रद्धालु।
फोटो : दशरथ डेका

एक ही रात में चौदह दुकानों में चोरी

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कामपुर इलाके में चोरों द्वारा 14 दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम दिए जाने का मामला बुधवार की सुबह सामने आया है। पुलिस ने बताया कि बीती रात चोरों के एक दल द्वारा कामपुर इलाके में स्थित बाजार की 14 दुकानों में प्रवेश कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। दुकानदारों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहींए स्थानीय दुकानदारों ने आरोप लगाया कि पुलिस रात के समय इलाके में सही से पेट्रोलिंग नहीं करती है जिसकी वजह से यह घटना हुई है। इस घटना को लेकर स्थानीय दुकानदारों में भारी रोष व्याप्त है।

मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा का डांडिया रास आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा गुवाहाटी ने नवरात्रा आगमन का स्वागत करते हुए छत्रीबाड़ी स्थित परशुराम सेवा सदन में डांडिया रा रास कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें सर्वश्रेष्ठ जोड़ी, सर्वश्रेष्ठ डांडिया रास, सर्वश्रेष्ठ गरबा नृत्य, डांडिया क्वीन, सर्वश्रेष्ठ परिधान के अलावा उम्रदराज महिलाओ के लिए भी प्रतियोगिता आयोजित की। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में रश्मि खाटू वाला, विशिष्ठ अतिथि के रूप में सीमा सोनी और मिस यूनिवर्सल विजेता कीमती जैन, नंदिनी बरुवा ने गणेश व माता रानी दुर्गा की फोटो के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया एवं माता रानी के भजन से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस अवसर पर उनके साथ शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा, शाखा उपाध्यक्ष शांति कुंडलिया, कोषाध्यक्ष बिमला कोचर, कार्यक्रम संयोजिका रश्मि जैन उपस्थित थी। शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि नवरात्रि के नौ दिनो में माता रानी को रिझाने के लिए विशेष पूजा व डांडिया गरबा नृत्य आदि का आयोजन किया जाता है। मातृ शक्ति की प्रतीक

मां दुर्गा से खुशहाली की कामना भी की जाती है। गुजरात का गरबा नृत्य आज सारे देश में मनाया जा रहा है। गरबा को हम शालीनता और भक्ति भाव के रूप में प्रस्तुत करें यही हमारा उद्देश्य है। इस अवसर पर पूरा प्रांगण जय माता की जयकारों से गूंज उठा। महिलाओं ने रंग बिरंगी राजस्थानी एवं गुजराती परिधान पहनकर घूम घूम कर गरबा नृत्य किया। प्रतियोगिता की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ जोड़ी का प्रथम पुरस्कार मेघा अग्रवाल व सोनू अग्रवाल, द्वितीय सोनिया शर्मा और निकिता शर्मा तथा तृतीय में सारिका अग्रवाल और पूजा शर्मा को पुरस्कृत किया गया। गरबा नृत्य में प्रथम नेहा बुच्चा, द्वितीय खुशबू मोर, डांडिया में प्रथम पूजा जैन, द्वितीय कुसुम जैन, 50 वर्ष की अधिक उम्र की महिलाओं के डांडिया नृत्य में प्रथम शारदा केडिया, द्वितीय प्रेमा जैन व तृतीय बीना चौरड़िया, डांडिया क्वीन में सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार रूबी जालान को दिया गया। ग्रुप डांस में रक्षा ग्रुप को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया गया। सर्वश्रेष्ठ परिधान में रूबी जालान को प्रथम, मेघा अग्रवाल को द्वितीय, सारिका अग्रवाल को तृतीय पुरस्कार दिया गया। सर्वाधिक कूपन बिक्री के लिए रेखा गोयल, प्रेमलता सिंघानिया और सरला काबरा को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में शाखा सलाहकार सरल काबरा, इंदिरा जिंदल, शारदा केड़िया, मंजू पाटनी, वंदना सोमानी, सरोज मित्तल को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में बॉबी बादशाह और मोना गौड ने अपनी सेवाएं प्रदान की। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों के लिए भी नृत्य प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजिका रश्मि जैन, रेखा गोयल, शांति कुंडलिया, प्रेमलता सिंघानिया के साथ सभी सदस्योंओ ने अपना सहयोग दिया। शाखा की जनसंपर्क सचिव

असम जातीय परिषद में शामिल होंगे जितेन गोगोई

गोलाघाट (हिंस)। पूर्व निर्दलीय विधायक जितेन गोगोई ने असम जातीय परिषद में शामिल होने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि वे बोकाखात क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके हैं। जितेन गोगोई 2001 में पहली बार विधायक चुने गए थे। उन्होंने *बोकाखाट निर्माण गुट* नामक संगठन बनाया था। वर्तमान में असम गण परिषद के अध्यक्ष तथा असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा बोकाखात से विधायक हैं। चार अक्तूबर को बोकाखात में ज्वाइनिंग प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा जहां, जितेन अपने कई समर्थकों के साथ एजेपी में शामिल होंगे। ज्वाइनिंग कार्यक्रम में पार्टी अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई भी मौजूद रहेंगे।

महालया के अवसर पर होजाई में रहा हर्षोल्लास

होजाई (निसं)। रिमझिम बारिश के साथ आज महालय का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ होजाई में मन। प्रात: 3 बजे से ही शहर के विभिन्न इलाकों से हजारों की तादाद में मातृशक्ति, युवा, बुजुर्ग, छोटे बच्चे घरों से निकलकर मां दुर्गा के आगमन का जोर-शोर से स्वागत किया। वहीं शहर के विभिन्न मंदिरों में देवी चंडी का पाठ वातावरण को सकारात्मक व भक्तिमें कर रहा था। लोग उमड़ी भीड़ के दृश्य को अपने मोबाइल में कैद कर रहे थे, व सेल्फी लेने में मशगूल हो रहे थे, विभिन्न पंडालों में पहुंचकर पंडालों के सम्मुख अपनी तस्वीर ले रहे थे। सबसे खास बात यह रही कि कुछ इलाकों में तड़के से ही मिठाई की दुकानदार अपनी दुकान खोलकर व्यवसाय करते देखे गए। हिंदू धर्म में नवरात्रि के 9 दिनों में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा-

आराधना का बड़ा महत्व है। शारदीय नवरात्रि से ही त्योहारों की शुरुआत होती है। नवरात्रि से पहले महालया मनाया जाता है और इसके अगले दिन से ही नवरात्रि की शुरुआत होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महालया के दिन मां दुर्गा धरती लोक पर आती हैं। इस दिन देवी भगवती जोश-उत्साह और विधिविधान से पूजा-अर्चना के साथ उनका भव्य स्वागत किया जाता है।

बीएसएनएल असम सर्कल ने मनाया बीएसएनएल डे

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय दूरसंचार निगम (बीएसएनएल) ने बीएसएनल डे के उपलक्ष्य में असम सर्कल पान बाजार के सौजन्य से पान बाजार मुख्यालय में बीएसएनल डे मनाते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इस अवसर पर आयोजित समारोह का शुभारंभ बीएसएनल भवन को स्वच्छता अभियान के द्वारा सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ किया गया। इस अवसर पर बीएसएनएल असम सर्किल की मुख्य महाप्रबंधक रूपा पॉल चौधरी के नेतृत्व में सभी अधिकारियों व कर्मचारियो ने एक रैली का आयोजन किया। जो पान बाजार के विभिन्न मार्गो से होते हुए बीएसएनल एक्सचेंज परिसर में समाप्त हुई। रैली के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक रूपा पॉल चौधरी ने असम व गुवाहाटी के ग्राहकों एवं पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्वदेशी नेटवर्क है। यह सबसे अच्छा और सबसे सस्ता नेटवर्क है। इसमें हम जो पैसा ग्राहकों से लेते हैं वह मूल्य ग्राहकों को वापस भी देते हैं। हमसे जुड़िए हमसे बेहतर आपको कहीं भी नहीं मिलेगा। हम अपने हैं और आप हमारे हैं।

शिवसागर में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के जयसागर में मानकटा तिनाली के पास बीती रात हुए भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दो दोस्त धुलियापार गांव के नवज्योति बोरा (31) और मऊपुरिया गांव के बिराज हजारिका (33) एक बाइक (एएस-04एई-9368) से पाहूगढ़ की तरफ से तेज गति से मानका तिनाली की ओर आ रहे थे। अचानक उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। कुछ ही देर में दोनों युवकों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि दोनों युवक पाहूगढ़ में एक ढाबे में अत्यधिक शराब पी रहे थे। जिसके चलते यह हादसा हुआ। सुनसान सड़क पर रात को हुई इस दुर्घटना के बाद दोनों युवकों के शव को बरामद कर जयसागर सिविल अस्पताल लाया गया। स्थानीय लोगों ने जयसागर पुलिस को सूचित किया। ज्ञात हो कि नवज्योति बोरा शादीशुदा था और एक बेटी का पिता था। दोनों युवकों की असामयिक मौत से दोनों ही परिवारों में मातम छा गया है।

बीटीसी में मनाई गई गांधी जयंती, शांति और विकास के लिए नई पहल की हुई शुरू

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। महात्मा गांधी का सद्भाव, शांति और सहिष्णुता का संदेश आशा और बुद्धिमत्ता की किरण है, खासकर बोड़ोलैंड के लिए, जो हिंसा के इतिहास से भाईचारे और विकास के वर्तमान में बदल गया है। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने आज कहा। कोकराझाड़ में बीटीसी सचिवालय में आयोजित महात्मा गांधी की 155वीं जयंती और अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर बोलते हुए बीटीसी प्रमुख ने कहा कि दशकों पहले क्षेत्र को हिला देने वाली हिंसा और अशांति के बावजूद, बोड़ोलैंड के लोग अब शांति और एकता के साथ रह रहे हैं, जो निरंतर विकास की नींव रख रहे हैं। समारोह में असम के हथकरघा एवं कपड़ा मंत्री तथा कोकराझाड़ के संरक्षक मंत्री यू जी ब्रह्मा, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा राष्ट्र के लिए उनके अप्रतिम योगदान को याद किया। अपने संबोधन के दौरान कैबिनेट मंत्री यू जी ब्रह्मा ने समाज पर गांधी के आदर्शों के स्थायी प्रभाव पर प्रकाश डाला, अहिंसा, मानवतावाद और सामाजिक परिवर्तन को आकार देने में उनकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने असम सरकार की *स्वच्छता ही सेवा* पहल के महत्व को भी रेखांकित किया

तथा बोड़ोलैंड के लोगों से शांति और विकास के लिए सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया। प्रधान सचिव आकाश दीप ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर जोर दिया कि विकास के लिए शांति आवश्यक है तथा बीटीआर सरकार द्वारा शुरू की गई पहल क्षेत्र में विकास और समावेशिता का मार्ग प्रशस्त कर रही है। गांधी जयंती समारोह में बीटीसी के प्रमुख डॉ. बशी राम बोड़ो डॉक्टरेट फेलोशिप कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह फेलोशिप बोड़ो समुदाय के पहले पीएचडी धारक डॉ. बशी राम बोड़ो की विरासत का सम्मान करती है, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। फेलोशिप प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों में डॉक्टरेट की पढ़ाई करने वाले बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के 50 मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। प्रत्येक छात्र को हर छह महीने में 90, 000 रुपए मिलेंगे, जो दो साल के लिए सालाना 180, 000 रुपए होंगे, जिसमें असाधारण परिस्थितियों में एक साल का विस्तार भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम में मिशन विश्वमूथी के तहत शिकायत और शिकायत पेटियों का वितरण भी शामिल था। भूमि संबंधी शिकायतों के तेजी से समाधान, शासन में पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ाने के लिए सर्किल अधिकारियों को ये पेटियां सौंपी गईं। उल्लेखनीय है कि बीटीसी भारत में भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण करने वाली पहली छठी अनुसूची परिषद बन गई है, जो प्रशासनिक आधुनिकीकरण में एक मील का पत्थर है। इस शुभ अवसर पर बीटीसी सचिवालय में ग्रीन बोड़ोलैंड मिशन के तहत शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। पर्यावरण स्थिरता के प्रति बीटीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाते इस समारोह में छात्रों, नागरिकों और अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में विधायक लॉरिंस इस्लेरी, बीटीसी ईएम गौतम दास, दाओबाइसा बोरो, रंजीत बाउमातारी और धनंजय बसुमतारी, एमसीएलए माधब सीएच छेत्री, बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी एल आहूजा, कोकराझाड़ नगर निगम बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा ब्रह्मा, सचिव, ओएसडी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। गांधी जयंती समारोह ने न केवल राष्ट्रपिता को सम्मानित किया, बल्कि शांति, समृद्धि और स्थिरता की दिशा में बोड़ोलैंड की यात्रा को भी रेखांकित किया।

संपादकीय

एक आतंकी के हमदर्द

इस वक्त भारत बड़े खतरनाक दौर में है। हिंदू और मुसलमान में विभाजन गहराता जा रहा है। मुसलमान को दूसरे मजहब और समुदाय की चिंताओं और दुरावस्थाओं से कोई सरोकार नहीं है। कई राज्यों में मंदिर बनाम अवैध मस्जिद के विवाद उग्र होते जा रहे हैं। हालात यहां तक सांप्रदायिक हो गए हैं कि हिजबुल्लाह का घोषित, घोर आतंकी सरगना नसरल्लाह भारत के मुसलमानों को अपना 'भाई', 'दिलों का राजा' लगता है। छोटे-छोटे बच्चों के मुंह से नारे बुलवाए गए-'एक नसरल्लाह मारोगे, हर घर से नसरल्लाह निकलेगा।' जम्मू-कश्मीर में चुनाव चल रहे हैं। पीडीपी मुखिया महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सांसद ने अपना चुनाव प्रचार ही समाप्त कर दिया, क्योंकि नसरल्लाह को 'शहीद' कर दिया गया। श्रीनगर, बडगाम, कारगिल में व्यापक स्तर पर मातम मनाया गया। काले कपड़े पहन कर एक भीड़ ने अपनी छाती पीट कर स्यापा किया। लोग बिलख-बिलख कर रोते नजर आए। भीड़ के हाथों में नसरल्लाह की तस्वीरें थामी गई थीं। लोग ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता खामेनेई के जिंदाबाद के नारे भी लगा रहे थे। 'अमरीका को आग लगा दो'...'अमरीका मुर्दाबाद' के नारे भी गूंज रहे थे। यह सिलसिला कश्मीर घाटी से उप्र के लखनऊ और सुलतानपुर तक और छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक में जारी रहा। भीड़ हाथों में मोमबत्तियां जलाए मार्च निकालती दिखाई दी, मानो भारत का अपना कोई देशभक्त या सैनिक 'शहीद' हो गया है! नसरल्लाह न तो भारतीय था और न ही किसी धर्मयुद्ध का योद्धा था, जिसके मारे जाने पर ऐसा मातम मनाया जा रहा है! मासूम बच्चों को क्या पता कि उसकी मौत क्यों और कैसे हुई? उन्हें नफरत की घूंट पिला दी गई, लिहाजा वे नसरल्लाह के अभिनंदन में नारे लगाने लग पड़े। नसरल्लाह तो 'इस्लामी जेहादी' भी नहीं था, लेकिन दुनिया में असंख्य हत्याओं का सूत्रधार जरूर था। भारत में एक घोषित, घोर आतंकी के हमदर्द रहे हैं, यह कई मामलों में सामने आया है-याकूब मेमन से अफजल गुरु तक। भीड़ बुरहान वानी सरीखे आतंकियों के जनाजे और सुपुर्द-ए-खाक के दौरान इस कदर इक_ा होती रही है मानो किसी क्रांतिकारी या स्वतंत्रता सेनानी की 'अंतिम संस्कार यात्रा' हो! मुसलमान पहले इस्लामी और मुसलमान हैं, बाद में भारतीय हैं। अभिव्यक्ति की आजादी, ऐसे प्रदर्शनों की आजादी और सबसे बड़े लोकतंत्र ने हिंदू-मुस्लिम विभाजन को लगातार गहरा किया है। मौलिक अधिकारों और धर्मनिरपेक्षता के गलत मायने निकाले जाते रहे हैं। पड़ोसी देश बांग्लादेश के मौजूदा हालात सामने हैं। वहां असंख्य हिंदुओं की हत्या ही नहीं की गई, बल्कि उत्पीडऩ इतनी पराकाष्ठा तक पहुंच चुका है कि हिंदुओं को बांग्लादेश छोड़ कर चले जाने का वक्त तय कर दिया गया है। बांग्लादेश की यूनिवर्सिटी से दो हिंदू प्रोफेसरों को नौकरी से निकाल दिया गया है। हिंदुओं की पूजा और पर्व मनाने पर पाबंदी थोप दी गई है। बांग्लादेश 'इस्लामीस्तान' बन गया लगता है। इन हालात पर भारतीय मुसलमान, खासकर नसरल्लाह जैसों के हमदर्द, न तो मातम मना रहे हैं और न ही प्रतिक्रिया में कोई सख्त टिप्पणी कर रहे हैं। उन्हें हिंदुओं से कोई सरोकार नहीं है, जबकि वे भारत मूल के ही हैं। क्या हिंदुओं के साथ 'भाईचारा' महज दिखावटी और बयानबाजी का ही है? दुनिया में मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी, करीब 21 करोड़, भारत में रहते हैं। वे कई मायनों में एक ताकतवर वोट बैंक हैं। यदि ऐसे देश में मुस्लिम आबादी घोषित आतंकवादी नसरल्लाह के मारे जाने पर मातम मनाती है, तो उसके कई संकेत हो सकते हैं। महज चुनाव के लिए इतने आयोजन नहीं किए जा सकते। यदि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी सरीखी पार्टियां ही ऐसे मातमी प्रदर्शन आयोजित कराती हैं, तो यह देशद्रोह भी है। सवाल है कि क्या इतने बड़े समुदाय को नियंत्रित किया जा सकता है? छोटे-छोटे मुद्दों पर हंगामा बरपने लगता है। मुस्लिम बहुसंख्यक होने की धमकियां दी जाती हैं। ये भारत के लिए 'खतरनाक संकेत' हैं, क्योंकि उसकी आबादी के दो प्रमुख घटकों के बीच ही तनाव की स्थितियां हैं। इन पर सरकार को गंभीरता से मंथन करना होगा। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को भी पूरी तरह नकेल देनी होगी। कश्मीर घाटी में रोज कहीं न कहीं आतंकवादियों और पुलिस की मुठभेड़ें हो रही हैं। इनमें आतंकवादी भी मारे जा रहे हैं और हमारे जवान भी शहीद हो रहे हैं। आखिर कब यह आतंक खत्म होगा।

छोटे-छोटे बच्चों के मुंह से नारे बुलवाए गए-'एक नसरल्लाह मारोगे, हर घर से नसरल्लाह निकलेगा।' जम्मू-कश्मीर में चुनाव चल रहे हैं। पीडीपी मुखिया महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सांसद ने अपना चुनाव प्रचार ही समाप्त कर दिया, क्योंकि नसरल्लाह को 'शहीद' कर दिया गया। श्रीनगर, बडगाम, कारगिल में व्यापक स्तर पर मातम मनाया गया। काले कपड़े पहन कर एक भीड़ ने अपनी छाती पीट कर स्यापा किया। लोग बिलख-बिलख कर रोते नजर आए। भीड़ के हाथों में नसरल्लाह की तस्वीरें थामी गई थीं। लोग ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता खामेनेई के जिंदाबाद के नारे भी लगा रहे थे।

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हिंदू नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है

श्रद्धा एवं आस्था का प्रतीक है नवरात्रि पर्व

संतोष कुमारी गर्ग

भारत की देव दर्शन संस्कृति विश्व भर में प्रचलित है। इसी परंपरा की श्रृंखला में नवरात्रि पर्व भी सम्मिलित है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातों का समय, जिसमें शक्ति की पूजा की जाती है। भारतीय सनातन धर्म परंपरा में एक वर्ष में चार बार नवरात्रि पर्व होता है जो चैत्र, आषाढ़, आश्विन एवं माघ मास शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होते हैं। आषाढ़ एवं माघ गुप्त नवरात्रि पर्व हैं जिनका विधान योगियों से संबंधित है। चैत्र एवं आश्विन नवरात्रि का विधान गृहस्थ जीवन में रहने वाले साधकों के लिए है। चैत्र एवं शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व एवं प्राचीन इतिहास है।

भारत की भूमि उत्सव एवं मेलों की प्रतीक है। यहां पर प्रत्येक दिवस का अपना महत्व है। भारत की देव दर्शन संस्कृति विश्व भर में प्रचलित है। इसी परंपरा की श्रृंखला में नवरात्रि पर्व भी सम्मिलित है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातों का समय, जिसमें शक्ति की पूजा की जाती है। भारतीय सनातन धर्म परंपरा में एक वर्ष में चार बार नवरात्रि पर्व होता है जो चैत्र, आषाढ़, आश्विन एवं माघ मास शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होते हैं। आषाढ़ एवं माघ गुप्त नवरात्रि पर्व हैं जिनका विधान योगियों से संबंधित है। चैत्र एवं आश्विन नवरात्रि का विधान गृहस्थ जीवन में रहने वाले साधकों के लिए है। चैत्र एवं शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व एवं प्राचीन इतिहास है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हिंदू नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है। शारदीय नवरात्रि आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से आरंभ होते हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों में पूजन की क्षेत्रीय विधियां भी हैं जो वहां की संस्कृति की प्रतीक हैं। गुजरात में गरबा नृत्य करके देवी को प्रसन्न किया जाता है। बंगाल में दुर्गा पूजा का महापर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है। उत्तर भारत में नवरात्रि महोत्सव की धूम निराली ही होती है। हिमाचल प्रदेश में इस पर्व की तैयारियों में शक्तिपीठ सजाए जाते हैं। देश के विभिन्न कोने से भक्त मां ज्वालादेवी, श्री नयना देवी, चिंतपूर्णी, वज्रेश्वरीदेवी, चामुण्डा देवी एवं कटड़ा में मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए लम्बी कतारें लगती हैं। चातुर्मास में जो धार्मिक एवं शुभ कार्य धार्मिक दृष्टिकोण से रोक दिए जाते हैं, वे नवरात्रि में शुरू हो जाते हैं। नवरात्रि का इतिहास वैदिक काल से भी पूर्व के समय से जुड़ा हुआ है। इस वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार 2081 शारदीय नवरात्रि पर्व आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि 3 अक्तूबर से आरंभ हो रहे हैं। नवरात्रि पर्व में मां दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा की जाती है। पूजन विधि : भगवती मां दुर्गा अपने नौ अवतारों में साधकों एवं भक्तों के संकल्प को पूरा करती हैं। जिस भावना से भक्त अपनी देवी की उपासना करता है, विधि-विधान से दुर्गा स्तुति, दुर्गा सप्तशती पाठ एवं आरती करता है, मां उसी भावना के साथ उसके मनोरथ पूर्ण करती है। प्रत्येक एक दिन देवी के प्रत्येक अवतार का प्रतीक है। प्रथम नवरात्रि 3 अक्तूबर प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करके सर्वप्रथम गणेश स्तुति करने के बाद कलश स्थापना करें।

इसके साथ जौं बोने की विधि को भी सम्पन्न करें। जौं को शास्त्रों में प्रथम फसल स्वीकार किया गया है। हवन सामग्री में भी जौं की आहुति अग्नि देवी को दी जाती है। जौं बीजना समृद्धि एवं प्रगति के सूचक हैं। इसके बाद आप देवी मां का स्मरण करते हुए संकल्प लें कि 'हे मां! हम आपकी शरणागत हैं और आप हमारी यह पूजन विधि सफल करना। आपके आशीर्वाद से ही यह कार्य सफल होगा। प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के पश्चात पुष्प, लाल सिंदूर, लौंग, इलायची, फल आदि अर्पित करें। आप अपनी सुविधानुसार गाय के घी का दीपक सुबह-शाम कर सकते हैं। यदि आपके पास समय एवं सामर्थ्य है तो आप नौ दिन उपवास एवं अखंड ज्योति भी प्रज्वलित करके भगवती मां को प्रसन्न कर सकते हैं। प्रथम नवरात्रि से नवम नवरात्रि तक मां के नौ अवतारों की पूजा विधि-विधान से की जाती है। नवरात्रि के नौवें दिन नौ कन्याओं को श्रद्धा एवं प्रेम के साथ घर पर आमंत्रित करके हलवा-पूड़ी, सब्जी, फल एवं चने आदि सात्विक आहार का भोग लगाया जाता है और सामर्थ्य के अनुसार उपहार एवं दक्षिणा दी जाती है। देवी का पूजन कुछ क्षेत्रीय मान्यताओं पर भी आधारित है। कई स्थानों पर भक्त महा अष्टमी को यह कार्यक्रम करते हैं। कुछ भक्त रामचरितमानस का पाठ भी करते हैं। शारदीय नवरात्रि में प्रभु श्रीराम रामेश्वरम धाम में समुद्र तट पर भगवती मां के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं और चार वेदों के ज्ञाता सभी ग्रहों को अपने वश में करने वाले महान विद्वान लंकापति राजा रावण को पराजित करने का वरदान प्राप्त करते हैं। नवरात्रि के दसवें दिन राम-रावण का समर असत्य पर सत्य, छल पर विश्वास एवं अहंकार पर परोपकार की विजय के साथ समाप्त होता है जिसे हम विजयदशमी या दशहरा के रूप में उत्सव मनाते हैं। मां के नौ स्वरूप हैं : शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धीदात्री। शैलपुत्री : शैल का शाब्दिक अर्थ चट्टान है। शैलपुत्री का अर्थ पहाड़ की बेटी है। मां पार्वती का पुनर्जन्म है। यह पहली नवदुर्गा का स्वरूप है। मां शैलपुत्री अरुणोदय में प्रकट हुई और सूर्यप्रभा से इनका रंग नारंगी हो गया। इनकी सवारी बैल है। पहले नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां शैलपुत्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' ब्रह्मचारिणी : ब्रह्म का अर्थ है तप। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है तप का आचरण करने वाली एक समर्पित देवी। मां का यह स्वरूप अंतर्मन की ऊर्जा को जागृत करने का प्रतीक है। मां पार्वती शिव को पति रूप में पाने के लिए वाम हस्त में कमंडल तथा दाहिनी हाथ में माल लेकर तप करने के लिए जाती हैं। उनके इसी स्वरूप को ब्रह्मचारिणी कहा जाता है। इस दिन आप ऐसी कुंवारी लडक़ी जिसका विवाह तय हो गया हो, लेकिन विवाह अभी होना हो, उसे शाम को देवी स्वरूप में बुलाकर श्रद्धा भाव से भोजन करवा कर उपहार दे सकते हैं। दूसरे नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' चंद्रघंटा : तीसरा नवरात्रि मां चंद्रघंटा को समर्पित है। शिव के साथ विवाह के पश्चात मां पार्वती ने चंद्रमा को अपने मस्तक पर सुशोभित किया, जिससे मां का यह स्वरूप विकसित हुआ। स्वर्ण से आभामय मां का 10 भुजाओं वाला स्वरूप है। अस्त्र-शास्त्र धारण करके मां सिंह की सवारी करती हैं। देवी के इस स्वरूप के पूजन से भक्तों को आरोग्य, सुख-संपदा की प्राप्ति होती है। शाम को आरती के बाद देवी को दूध से बने हुए मिष्ठान का भोग लगाकर प्रसाद को भक्तों में बांट दें। तीसरे नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' कूष्मांडा : चौथा नवरात्रि मां कूष्मांडा को समर्पित है। देवी कुष्मांडा अष्ट भुजाओं वाली, दिव्य मुस्कान की स्वामिनी हैं।

दृष्टि कोण

वर्तमान भारतीय राजनीति की दिशा व दशा

असंख्य बलिदानों से जब देश स्वतंत्र हुआ तो हमारे तत्कालीन समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और राजनीति की समझ रखने वालों तथा शासन तंत्र की सुव्यवस्था के लिए कृतसंकल्प स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पुरोधाओं ने बहुत विचार-विमर्श के बाद हमें एक ऐसा संविधान दिया, जो बहुजनहिताय बहुजन सुखाय था। इसे भारत की जनता ने स्वीकार किया और तब से अब तक वही संविधान कदम-कदम पर पारदर्शी शासन चलाने के लिए हमारा मार्गदर्शन कर रहा है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या हम आज भी इस संविधान की भावना के अनुकूल देश की दशा और दिशा तय कर रहे हैं या नहीं? ऊपरी तौर पर हम यह सोचने के लिए विवश हैं कि सीमाओं को लांघ कर भारतीय राजनीति में जो उद्दंडता, बाहुबल, धनबल आए हैं, इससे साफ सुथरी राजनीति जनता से हर रोज कोसों दूर जा रही है। कुछ विचारकों का तो यह मानना है कि अब भारतीय राजनीति का कुछ धन बल वालों और कुख्यात अपराधियों ने अपहरण कर लिया है! राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि प्रायः सभी बड़े दलों में जघन्य अपराधियों की भरमार है। भारतीय राजनीति में ईमानदार और देश के प्रति सच्ची निष्ठा रखने वाले लोगों के लिए जगह सिकुड़ती जा रही है। परिणाम यह है की आजादी का लाभ जो सबको मिलना चाहिए था, वह कुछ चाटुकार लोगों तक सीमित हो गया है। ये राजनीति के माहिर लोग अपने आसपास ऐसा चक्रव्यूह तैयार कर लेते हैं कि शासन का प्रत्येक अंग उनका गुलाम बन कर रह जाता है। वस्तुस्थिति तो यही है। प्रभावी सूचना तंत्र अब इतना सशक्त हो गया है कि ये लोग बड़े ही सहज ढंग से मीडिया के दुरुपयोग से रात को भी दिन कहकर भारतीय जनता को भ्रमित कर सकते हैं। सत्ता में बने रहने के लिए राजनीतिक दल ऐसे लुभावने नारे दे रहे हैं और रेवडियां बांट रहे हैं कि जनता के बीच काफी लोग मुफ्तखोर हो गए हैं। इसका दुष्परिणाम यह है कि समाज में एक बहुत बड़े तबके में मेहनत करने में रुचि कम हो रही है और वे सरकार की मुफ्त की योजनाओं के लाभ की प्रतीक्षा करते रहते हैं। इस प्रवृत्ति ने राज्यों को आर्थिक दृष्टि से पंगु बना दिया है। सामाजिक सरोकारों की पूर्ति के लिए प्रयत्न हर राज्य को करना चाहिए, किन्तु जनता को निठल्ले बनाने वाले यह लोकलुभावन कार्यक्रम न तो सरकार को अपनाने चाहिए और न ही जनता को इसको प्रोत्साहित करना चाहिए कि लोग बिना काम के ही जिंदगी बसर करने की आदत बना लें। देश का कोई राज्य ऐसा नहीं है जो करोड़ों के कर्ज में न डूबा हो। बिजनेस स्टैण्डर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 2023-24 के अंत में अपने ऋण को उनके संबंधित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 35 प्रतिशत को पार करने का अनुमान लगाया है। बारह राज्य- अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गोवा, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान और पश्चिम बंगाल वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। आर्थिक तंगी से उबरने के लिए राज्यों को व्यावहारिक निर्णय लेने की आवश्यकता है। इसके अलावा हमारे देश की एक ज्वलंत समस्या है देश की बढ़ती हुई आबादी। हमारे देश में हर वर्ष एक ऑस्ट्रेलिया पैदा हो जाता है। अगर जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो अगले कुछ वर्षों में अनाज तो छोड़ें, पीने को पानी तक नहीं मिलेगा। हर क्षेत्र में खाद्यान्न उत्पादन अब चरम सीमा तक पहुंच गया है। जनसंख्या विस्फोट के कारण भारत को संसाधनों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों का तेजी से उपयोग किया जा रहा है और इसकी उपलब्धता में कमी के कारण इनका शोषण हो रहा है। भूमि उपलब्धता और जल संसाधनों के संबंध में भी कई समस्याएं देखने को मिल रही हैं। भारत में जनसंख्या सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया जाने वाला मुद्दा है। आज हम संसाधनों की कमी देख रहे हैं और अधिक लोगों को उन संसाधनों की आवश्यकता के कारण हर जगह संघर्ष कर रहे हैं। गरीबी, अशिक्षा, यातायात जाम और भुखमरी जैसी समस्याओं का एक मूल कारण बढ़ती जनसंख्या है। कोई भी राजनीतिक दल इसे अपने एजेंडे के रूप में नहीं रखना चाहता क्योंकि कई समुदाय इस मुद्दे का विरोध करेंगे और यह एक राजनीतिक पार्टी के वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है। लेकिन देश हित में आबादी पर नियंत्रण और समान नागरिक संहिता आज इस देश की जरूरत है। वर्तमान समय में सभी भारतवासियों के लिए समान नागरिक संहिता की आवश्यकता बन गई है। भारतीय नागरिक, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, उनके मौलिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा समान नागरिक संहिता से ही सुनिश्चित की जा सकती है।

कुछ अलग

मैं टोटली नालायक हूं...

अब मैं बहुत प्रसन्न हूं। मुझे अपने को प्रसन्न कहने पर आप जानता हूं बहुत दुखी होंगे। क्योंकि आज हम दूसरों का बुरा होते देख गदगद हो सकते हैं, पर जो हमसे कोई कहे कि वह प्रसन्न है तो हम बहुत दुखी हो जाते हैं। सही ही है। हमारे अतिरिक्त और किसी को यहां प्रसन्न रहने का कोई अधिकार नहीं। मेरी प्रसन्नता का कारण है कि अब मैंने पूरी तरह मान लिया है कि मैं नालायक हूं। सिर से लेकर पांव तक। कुछ लोग अपने को पूरा नालायक नहीं मानते। आधा अधूरा नालायक मानते हैं। ऐसे लोग न नालायकों के बीच गिने जाते हैं, न लायकों के बीच। अच्छा लगता है कि जब हमें कोई नालायक घोषित करे उससे पहले ही हम अपने को नालायक घोषित कर दें। इससे कम से कम एक बात की खुशी तो रहती है कि हमने खुद को खुद ही नालायक घोषित किया किसी दूसरे ने नहीं। हमें कोई दूसरा नालायक घोषित तो मत पूछो कितनी पीड़ा होगी? फिर भी पता नहीं क्यों कुछ नालायक अव्वल दर्जे के नालायक होने के बाद भी खुद को समझदार होने की जिद पर अड़े रहते हैं। वैसे समझदार से समझदार तक को लोग एक न एक दिन नालायक घोषित कर ही चैन की सांस लेते हैं। ऐसे में अपने को नालायक मान लेने में जो आंनद है, वैसा कहीं और नहीं। ये तो कोई समझदारी की बात नहीं कि लोगों से अपनी समझदारी की सैंकड़ों फजीहतें करवा कर नालायक हुए। इसलिए जिन जिनको मजे से जीना हो तो मेरा अनुभव है वे अपने को चुपचाप नालायक घोषित कर जीवन का असली लुत्फ उठाएं। हे समझदारो! यहां चोर भले ही अपने को चोर न माने। यहां साध भले ही अपने को साध न माने। यहां लुटेरा भले ही अपने को लुटेरा न माने। यहां जनसेवक भले ही अपने को जनसेवक न माने। यहां राष्ट्रद्रोही भले ही अपने को राष्ट्रद्रोही न माने। यहां बलात्कारी भले ही अपने को बलात्कारी न माने। वह अपने को निर्दोष साबित करने के लिए भले ही सबसे अच्छा वकील कर पूरा जोर लगा दे। पर मैं अपने पूरे होशोहवास में स्वीकार करता हूं कि मैं नालायक हूं। असल में मैं सच्ची को नालायक हूं। क्योंकि मैं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारता हूं। जबकि समझदार दूसरों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारता मल्हार गाता है। मैं सच्ची का नालायक हूं। मैं सच्ची को नालायक हूं क्योंकि मैं टॉक्सिक रिश्तों से अमृत मांगता हूं। समझदार अमृती रिश्तों को टॉक्सिक बनाकर ही दम लेते हैं। मैं नालायक हूं क्योंकि मैं किसी के यहां आग लगने पर अपना पीने का पानी लेकर उसे बुझाने दौड़ पड़ता हूं। समझदार टाइप के किसी के घर में आग लगा अपनी पानी की ओवरफ्लो होती टंकियों में ताला लगा देते हैं। कल वे मुझ नालायक से मिलने आए पूरी समझदारी के साथ। उस वक्त मैं अपनी नालायकी के सरोवर में डुबकियां लगा रहा था, पता नहीं क्या सोचते हुए? क्यों सोचते हुए? जबकि सोचना केवल और केवल समझदारों के अधिकार क्षेत्र में आता है, 'और नालायक जी! क्या हाल हैं?' उन्होंने मुझसे आदर सहित सीना चौड़ा कर पूछा तो अच्छा लगा कि नालायकों की भी इज्जत होती है। 'कुछ नहीं! बस, अपनी नालायकी का जश्न मना रहा हूं', मैंने हंसते हुए कहा तो वे ठहाका लगाते बोले, 'हद है यार तुम्हारी नालायकी की भी! लोग हैं कि अपनी समझदारी का जश्न नहीं मनाते और तुम अपनी नालायकी का जश्न मना रहे हो। मान गए तुम्हें नालायक हो तो तुम जैसा। वर्ना लायक ही भले।' 'देखो दोस्त! समझदारों के पास गलत फैसलों पर भी जश्न मनाने के एक से एक वाहियात तर्कों वाले सुखद तरीके होते हैं। जबकि सच यह है कि जो गलत होता है, वह गलत होता है। उनका निजी फैसला हो तो होता रहे, पर मुझ जैसे नालायक के पास कोई तर्क वितर्क नहीं होता। क्योंकि मेरे जैसे नालायकों के सही कदम भी गलत माने जाते हैं।' 'मतलब तुम पूरी तरह स्वीकार कर चुके हो कि तुम नालायक हो।' 'जी हां! मैं पूरी तरह खुले मन से स्वीकार कर चुका हूं कि मैं अधकचरा नालायक नहीं, पूरा का पूरा नालायक हूं। और कुछ? इसलिए अब मैं समझदारों के दलदल में जाना भी नहीं चाहता', मैंने उनकी तरफ मुस्कुराते देखते कहा तो वे बोले, 'तो अपने को नालायक घोषित करने पर हजारों शुभकामनाएं।'

देश दुनीया से

बदलते हालात के अनुरूप हो जीवनशैली

भादों में उमस के साथ इतनी गर्मी जानलेवा होती है। दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय के चेरापूंजी और मौवसिनराम में अब छाते बारिश से बचने की जगह तीखी गर्मी से बचने को इस्तेमाल हो रहे हैं। यहां 33 डिग्री तापमान स्थानीय निवासियों के लिए असहनीय हो गया है। एक तो बरसात कम हुई, ऊपर से अधिकतम 24 डिग्री वाले इलाके में तापमान और उमस बढ़ गई। उत्तराखंड में देहरादून में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और पंतनगर का अधिकतम तापमान 37.2 होना असामान्य है। कश्मीर में भी इस समय अकेले चुनावी तपिश नहीं, बल्कि मौसमी तपिश लोगों को बेहाल किए है। यहां इस मौसम के तापमान से कोई 6.6 डिग्री अधिक गर्मी दर्ज की गई है और हालात लू जैसे हैं।

उत्तर पूर्वी राज्यों में जब सबसे भीगा और पसंदीदा मौसम होता है, असम में गुवाहाटी समेत कई जिलों में स्कूल बंद करने पड़े क्योंकि तापमान 45 से पार हो गया। भादों में उमस के साथ इतनी गर्मी जानलेवा होती है। दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय के चेरापूंजी और मौवसिनराम में अब छाते बारिश से बचने की जगह तीखी गर्मी से बचने को इस्तेमाल हो रहे हैं। यहां 33 डिग्री तापमान स्थानीय निवासियों के लिए असहनीय हो गया है। एक तो बरसात कम हुई, ऊपर से अधिकतम 24 डिग्री वाले इलाके में तापमान और उमस बढ़ गई। उत्तराखंड में देहरादून में अधिकतम तापमान 35 डिग्री और पंतनगर का अधिकतम तापमान 37.2 होना असामान्य है। कश्मीर में भी इस समय अकेले चुनावी तपिश नहीं, बल्कि मौसमी तपिश लोगों को बेहाल किए है। यहां इस मौसम के तापमान से कोई 6.6 डिग्री अधिक गर्मी दर्ज की गई है और हालात लू जैसे हैं। कुपवाड़ा में 33.3, पहलगाम में 29.5 और गुलमर्ग में 23.6 तापमान असहनीय जैसा है। हिमाचल प्रदेश में सितंबर के महीने में जून-सी गर्मी है। ऊना समेत प्रदेश के पांच जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। हाल ही में ऊना का तापमान 38 डिग्री को पार कर गया। जबकि कांगड़ा, मंडी, चंबा और बिलासपुर में भी तापमान 35 डिग्री पर पहुंच रहा है। सामान्य तौर पर सितंबर माह में हल्की सर्दी का दौर शुरू हो जाता है। लेकिन इस बार गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। शिमला में भी तापमान 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है, जो सामान्य से कहीं अधिक है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन का असर सबसे संवेदनशील नैसर्गिक स्थलों में अब गहरा होता जा रहा है। गर्मी से लोगों की सेहत पर तो बुरा असर हो ही रहा है, लगातार गर्मी ने पानी की मांग बढ़ाई और संकट भी। सबसे बड़ी बात, गर्मी से शुद्ध पेयजल की उपलबद्धता घटी है। प्लास्टिक बोतलों में बिकने वाला पानी हो या फिर आम लोगों द्वारा सहेज कर रखा गया जल, तीखी गर्मी ने प्लास्टिक बोतल में उबाले गए पानी को ज़हर बना दिया। पानी का तापमान बढ़ना तालाब-नदियों की सेहत खराब कर रहा है। एक तो वाष्पीकरण तेज हो रहा है, दूसरा पानी अधिक गर्म होने से जल में विकसित होने वाले जीव-जन्तु और वनस्पति मर रहे हैं। तीखी गर्मी भोजन की पौष्टिकता की भी दुश्मन है। तीखी गर्मी में गेहूं, धान के दाने छोटे हो रहे हैं और उनके पौष्टिक गुण घट रहे हैं। वैसे भी तीखी गर्मी में पका हुआ खाना जल्दी सड़-बुस रहा है। फल-सब्जियां जल्दी खराब हो रही हैं। खासकर गर्मी में आने वाले वे फल जिन्हें केमिकल लगाकर पकाया जा रहा है, इतने उच्च तापमान में ज़हर बन रहे हैं। इस बार की गर्मी की एक और त्रासदी है कि इसमें रात का तापमान कम नहीं हो रहा, चाहे पहाड़ हो या मैदानी महानगर। बीते दो महीनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक अधिक रहा ही है। खासकर सुबह चार बजे भी तपिश का अहसास होता है और इसका कुप्रभाव यह है कि बड़ी आबादी की नींद पूरी नहीं हो पा रही। खासकर मेहनतकश लोग उनींदे से सारे दिन रहते हैं। इससे उनकी कार्यक्षमता पर तो असर हो ही रहा है, शरीर में कई विकार हो रहे हैं। जो लोग सोचते हैं कि वातानुकूलित संयंत्र से वे इस गर्मी की मार से सुरक्षित हैं, तो यह बड़ा भ्रम है। लंबे समय तक एयर कंडीशनर वाले कमरों में रहने से शरीर की नस-नाड़ियों में संकुचन, मधुमेह और जोड़ों के दर्द का खमियाजा ताजिंदगी भोगना पड़ सकता है। मार्च-24 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने भारत में एक लाख लोगों के बीच सर्वे कर एक रिपोर्ट में बताया है कि गर्मी व लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच फीसदी अधिक आर्थिक नुकसान होगा। चूंकि आर्थिक रूप से सम्पन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, जबकि गरीब ऐसा नहीं कर पाते। दरअसल, बढ़ता तापमान न केवल पर्यावरणीय संकट है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक त्रासदी-असमानता और संकट का कारक भी बन रहा है। इससे इंसान की कार्यक्षमता प्रभावित होती है, पानी और बिजली की मांग बढ़ती है, तो उत्पादन लागत भी बढ़ती है। हम जान लें कि प्रकृति की किसी भी समस्या का निदान हमारे अतीत के ज्ञान में ही है, कोई भी आधुनिक विज्ञान इस तरह की दिक्कतों का हल नहीं खोज सकता। आधुनिक ज्ञान और विज्ञान कुपित कायनात से जूझने में असहाय है। अब समय या गया है कि इंसान बदलते मौसम के अनुकूल अपने कार्य का समय, हालात, भोजन, कपड़े आदि में बदलाव करे। खासकर पहाड़ों पर विकास और पर्यटन दो ऐसे मसले हैं, जिन पर नए सिरे से विचार करना होगा। शहर के बीच बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ आदि यदि निर्मल और जलयुक्त रहेंगे तो बढ़ी गर्मी को सोखने में ये सक्षम होंगे।

आप का नजरीया

विदेशी पर्यटन में हिमाचल

पर्यटन की आमद को गिना जा सकता है, लेकिन इसके महल की आर्थिक खिड़कियां बेजुबान हैं। इस साल अब तक का हिसाब खींच लाया है नए आंकड़े, साल के नौ महीनों में 1.16 करोड़ सैलानी हिमाचल आ चुके हैं, तो उम्मीद है कि साल के अंत तक दो करोड़ घुमक्कड़ प्रदेश को नापेंगे। पिछले साल 1.59 करोड़ सैलानी पहुंचे थे। जून तक हिमाचल में 38882 विदेशी पर्यटकों का आगमन भी कुछ दरवाजे खोल गया, तो विदेशियों ने सबसे अधिक कांगड़ा, फिर शिमला और कुल्लू घाटी का रुख किया। ये आंकड़े एक ऐसी परिभाषा ने पैदा किए हैं जो मंदिर तक पहुंचे श्रद्धालु को गिनती है। अगर श्रद्धा के रास्ते अस्सी फीसदी सैलानी पहुंचे, तो शेष रास्तों से फिलहाल 24 लाख ही पहुंचे होंगे। ऐसे में पर्यटक आ कहां रहा है और गिना कहां जा रहा है, यह सोचना होगा। हिमाचल में पर्यटन की सबसे बड़ी बाध्यता धार्मिक स्थलों के अलावा कम ही दिखाई देती है, अलबत्ता कुछ पुराने हिल स्टेशन तथा हाल ही में अस्तित्व में आई अटल टनल का वर्णन किया जा सकता है। इस हिसाब से हिमाचल की पर्यटन क्षमता का मूल्यांकन करना होगा ताकि धार्मिक स्थलों के अलावा डेस्टिनेशन तक का स्वतंत्र आगमन देखा जाए। यहां विदेशी पर्यटकों का बढ़ता आगमन एक शुभ संकेत है, लेकिन गोवा, राजस्थान, दिल्ली, आगरा व दक्षिणी प्रांतों के हिसाब से हमारी अधोसंरचना अभी पूर्ण क्षमता तक नहीं पहुंची। प्रदेश पांच करोड़ पर्यटकों के लक्ष्य में अगर अस्सी फीसदी धार्मिक बढ़ा भी ले तो भी पर्यटन की दृष्टि से अभीष्ट योगदान तब मिलेगा जब सैलानी होने के सबूत अन्य दिशाओं और डेस्टिनेशन को कबूल करेंगे। अंततः हमें अपने पर्यटन नक्शे पर ऐसी बस्तियां चाहिएं जो यात्रा वृतांत बदल दें, अनुभव की शाखा बदल दें। मसलन अटल टनल, रोहतांग पास तथा सप्ताहांत पर्यटन ने अपनी कहानी अलग से लिखनी शुरू की है। इसी बीच काजा सर्किट या ट्रैकिंग टूअर पर राज्य के विभिन्न हिस्सों में आ रहे युवा सैलानियों ने प्रदेश के रोमांच को अपनी छावनी बनाया है। बहरहाल चंद महीनों में करीब 39 हजार विदेशी पर्यटकों का आगमन हमारे पर्यटन की शोहरत, वकालत व उम्मीदों भरी उड़ान है। हालांकि यह संख्या उसी सर्किट पर है, जिस पर घरेलू सैलानी भीड़ बन रहे हैं। यह स्पष्ट है कि विदेशी पर्यटक फिलहाल शिमला, कुल्लू व कांगड़ा घाटी ही ज्यादातर आ रहे हैं और मात्रात्मक दृष्टि से इसके अध्ययन की जरूरत है। जाहिर है कांगड़ा आगमन गगल एयरपोर्ट की व्यस्तता का प्रतीक है, जबकि तिब्बती पर्यटन व महामहिम दलाईलामा के प्रवचन भी इससे जुड़ जाते हैं। ऐसे में हमारा लक्ष्य पांच करोड़ घरेलू सैलानियों के बजाय अगर पचास लाख विदेशी पर्यटक हो जाए, तो आर्थिकी के हिसाब से यह राज्य के लिए धनवर्षा का चेरापूंजी साबित होगा। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन की फिजाओं में हिमाचल को अपने सर्किट व क्षमता बढ़ानी होगी। तिब्बती, धरोहर, सांस्कृतिक, साहसिक व ट्राइबल पर्यटन को जोडक़र हिमाचल के एहसास को पुख्ता करें, तो यहां के मौसम में गुनगुनी धूप का आनंद और सुकून की फुलबारी में मानसिक राहत का गुलदस्ता बन जाएगा।

गांधीजी तथा शास्त्री जी के सिद्धांतों ने देश को एक नई दिशा दी : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि इन दोनों महापुरुषों ने देश को एक नई दिशा देने का काम किया। गांधीजी के सत्य-अहिंसा के आदर्शों का अनुसरण करते हुए देश उनके पदचिह्नों पर चल रहा है। उनके सिद्धांतों तथा विचारों को पूरा विश्व मानता है। देश की आजादी से लेकर आज तक भी उनके सिद्धांत प्रासंगिक हैं। इस दौरान शर्मा ने शासन सचिवालय में गांधी जी के प्रिय भजन *वैष्णव जन तो तेने कहिए, रघुपति राघव राजा राम* व *राम धुन* का श्रवण भी किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

हरियाणा में आने के लिए राहुल गांधी को हुड्डा से लेनी पड़ती है इजाजत : रवि शंकर प्रसाद

रोहतक (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी को कौन समझाए वह गोहाना की जलेबियों की क्या अमेरिका में फैक्ट्री लगाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी हरियाणा की गारंटी लेने की बात करते हैं वह पहले हिमाचल में सरकार की वित्तीय स्थिति खराब होने के लिए जिम्मेदारी ले और साथ ही आरक्षण को लेकर राहुल गांधी स्थिति को स्पष्ट करें जबकि भाजपा ने भीमराव अंबेडकर को सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और लैंड डील का पुराना संबंध, कांग्रेस में जमीन घोटाले होते थे, जबकि भाजपा ने आईटी सेक्टर मॉडल पेश किया। बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद भाजपा के मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। दरअसल तीन दिन पहले सोनीपत के गोहाना में पहुंचे राहुल गांधी ने वहां की फेमस जलेबियां को लेकर प्रतिक्रिया दी थी, जिसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी जलेबियां की फैक्ट्री अमेरिका में लगाना चाहते हैं, अब उन्हें कौन समझाए की जलेबी कड़ाई में बनाई जाती है न की किसी फैक्ट्री में। रवि पर शंकर प्रसाद ने राहुल गांधी को चेतावनी देते हुए कहा कि हरियाणा में महिलाओं को कांग्रेस छलने

का और धोखा देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो वादे कर रही है और जहां पर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है वहां पर उन वादों को पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी 1500 महीना महिलाओं को देने की बात कही गई थी, लेकिन वहां वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो गई कि मुख्यमंत्री को खुद सामने आकर कर्मचारियों को दो महीने बाद सैलरी देने की बात कही थी। पूर्व मंत्री ने कहा कि भाजपा के 10 साल और कांग्रेस के दस साल को जांच कर ही लोग वोट दें, कांग्रेस ने दस साल में जमीन घोटाला किया तो भारतीय जनता पार्टी ने देश में आईटी मॉडल सेट किया। उन्होंने गुरुग्राम का जिक्र करते हुए कहा कि गुरुग्राम आईटी सेक्टर महारत हासिल किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि शैलजा को लेकर कम से कम वरिष्ठता के आधार पर ध्यान में कांग्रेस रखना चाहिए था, राहुल गांधी को स्टेज पर नहीं, बल्कि बंद कमरे में भूपेंद्र सिंह हुड्डा और शैलजा के हाथ मिलवाने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि उनके हाथ मिले हैं लेकिन दिल नहीं मिले है।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने गिनाई मोदी सरकार की उपलब्धियां

अजमेर (हिंस)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने बुधवार को अजमेर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए की मोदी सरकार देश को विकास के मार्ग पर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर और हरियाणा का चुनाव जीतने जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास करने वाली और कार्यकर्ताओं की पार्टी है, कोई परिवार की पार्टी नहीं है। जम्मू कश्मीर और हरियाणा चुनाव हम जीतेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश चहुमुंखी विकास कर रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। मोदी सरकार ने युवाओं को सरकारी नौकरी देने सहित रोजगार के अहम कदम उठाए हैं। किसानों के हित व कल्याण के लिए कई फैसले लिए है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल ने 10 महीने के कार्यकाल में विकास की गंगा बहाई है।

इंटरनेशनल योग गुरु नवीन मेघवाल को मिला भारत गौरव पुरस्कार अवार्ड

बीकानेर (हिंस)। देश की संस्कृति और योग को दुनियाभर में पहुचाने वाले इंटरनेशनल योग गुरु नवीन मेघवाल को अमेरिका और भारत की संस्थाओं ने संयुक्त रूप से हाल ही राजधानी दिल्ली में भारत गौरव पुरस्कार अवार्ड से नवाजा। उनके बीकानेर पहुंचने पर सर्किट हाउस में बीजेपी से बीकानेर पश्चिम क्षेत्र से विधायक जेठानंद व्यास, पुनीत शर्मा, पुनीत ढाल सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं, स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों द्वारा माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। मूल रूप से बीकानेर निवासी नवीन मेघवाल वर्तमान में बाली इंडोनेशिया में रहकर भी परिवार की आध्यात्म और सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नजर आ रहे है। नवीन मेघवाल के बीकानेर पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि किन्नर समाज बहुत सेंसिटिव है, ऐसे में उनको दुनिया से ताल से ताल मिलाने के लिए योग को जीवन में लाना जरूरी है। इस क्षेत्र में विशेष तौर पर वो निरंतर काम कर रहे है। सोशल मीडिया हैंडलिंग टीम एल्क्रोमैक द्वारा विशेष स्वागत किया गया। इस दौरान पुनीत ढाल, ऐश्वर्य गौतम, ओम नायक, नारायण सिंह, महेंद्र भोलेचा, सपना जांगीड, शारदा बहन, कान सिंह, सुनीता हटेला आदि की टीम ने भी नवीन मेघवाल का माला पहना कर स्वागत किया।

गोरखनाथ मंदिर में कलश स्थापना करेंगे योगी आदित्यनाथ, दस दिवसीय अनुष्ठान का होगा शुभारंभ

गोरखपुर (हिंस)। नाथ पंथ के अधिष्ठाता, शिवावतार गुरु गोरखनाथ की तपस्थली गोरक्षपीठ मां आदिशक्ति की पूजा के लिए तैयार है। शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम पांच बजे शक्ति मंदिर में कलश स्थापना करेंगे। इसके साथ ही दस दिवसीय विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ हो जाएगा। गोरक्षपीठ में शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ के साथ ही शक्ति की आराधना की अद्भुत परंपरा है। मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में पूरे नवरात्र (वासंतिक और शारदीय दोनों) अनवरत साधना चलती है। नवरात्र की पूर्णाहुति पर राघव अर्थात भगवान राम का राजतिलक करने की परंपरा अन्यत्र नहीं दिखती। विजयादशमी (दशहरा) पर राघव का राजतिलक करने के लिए गोरक्षपीठाधीश्वर खुद मौजूद रहते हैं। इस शारदीय नवरात्र गोरखनाथ मंदिर में होने वाले पारंपरिक अनुष्ठान के बारे में मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने बताया कि शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर गुरुवार (3 अक्टूबर) की शाम 5 बजे गोरखनाथ मंदिर में परंपरागत कलश शोभायात्रा निकलेगी। यह यात्रा मंदिर के परम्परागत सैनिकों की सुरक्षा में निकलेगी जिसमें सभी साधु-संत, पुजारी, योगी, वेदपाठी बालक, पुरोहित एवं श्रद्धालु शामिल होंगे। कलश यात्रा में शिव, शक्ति और महायोगी गोरखनाथ के अस्त्र त्रिशूल को मंदिर के मुख्य पुजारी लेकर चलेंगे। परंपरा के अनुसार त्रिशूल लेकर चलने वाले को 9 दिन मंदिर में ही रहना होता है। कलश शोभायात्रा के समापन पर भीम सरोवर के पवित्र जल पूरित कलश की स्थापना मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री कलश योगी आदित्यनाथ द्वारा करने के साथ मां भगवती की विशेष उपासना का शुभारंभ हो जाएगा।

गांधी जयंती के मौके पर व्यवहार न्यायालय परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

किशनगंज (हिंस)। उच्च न्यायालय, पटना के निर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, किशनगंज सुशांत कुमार के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत व्यवहार न्यायालय परिसर में बुधवार को स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ओम शंकर, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज की उपस्थिति में किया गया। स्वच्छता कार्यक्रम में व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारीगण एवं पारा विधिक स्वयं सेवकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। सचिव ने कहा की देश की सेवा स्वच्छता से भी कि जा सकती है। नागरिकों को स्वच्छता के प्रति हमेशा जागरुक रहना चाहिए। सचिव ने नागरिकों से अपील किया की जिस तरह अपने घर की स्वच्छता आवश्यक है उसी तरह घर के बाहर भी स्वच्छता रखने की आवश्यकता है।

जयपुर सहित आधा दर्जन से अधिक रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के कई रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इनमें जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अलवर, गंगानगर, हनुमानगढ़, बूंदी और उदयपुर सिटी के साथ ही मध्यप्रदेश के रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी शामिल है। इसके साथ ही 2 नवंबर को महाकाल मंदिर उज्जैन और जयपुर के धार्मिक स्थलों पर भी बम धमाके की धमकी दी गई है। जैश ए मोहम्मद के एरिया कमांडर सलीम अंसारी के नाम से यह धमकी दी गई है। हनुमानगढ़ एएसपी प्यारेलाल मीणा ने बताया कि जंक्शन रेलवे स्टेशन अधीक्षक को पीले रंग का बंद लिफाफे में एक पत्र मिला। उसे खोलकर देखा तो उसमें हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, बूंदी, उदयपुर सिटी आदि रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी थी। पत्र में जैश ए मोहम्मद संगठन का नाम लिखा हुआ था। इसके बाद रेलवे पुलिस बल, जीआरपी, पुलिस व बीएसएफ की टीमों ने रेलवे स्टेशन परिसर में सर्च अभियान चलाया। इस संबंध में अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। स्टेशन परिसर में रेलवे पुलिस

का अतिरिक्त जाप्ता तैनात किया गया है। पुलिस भी गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अतिरिक्त निगरानी रख रही है। पत्र किसने लिखा, कहां से पोस्ट किया गया है, इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया कि हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन अधीक्षक को लिफाफे में एक पत्र मिला, जिसमें हनुमानगढ़, जयपुर, उदयपुर समेत अन्य स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। धमकी भरे पत्र को मिलते ही तुरंत रेलवे प्रशासन हरकत में आ गया। स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। रेलवे की जीआरपी और आरपीएफ समेत लोकल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रेलवे स्टेशन का मौका मुआयना किया। रेलवे स्टेशन पर कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। एटीएस, एसओजी, क्यूआरटी और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाकर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की गई है। पुलिस प्रशासन समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियां सतर्क है। संदिग्ध वस्तु और संदिग्ध लोगों पर पूरी निगरानी रखी जा रही है। रेलवे स्टेशन पर आने और जाने वालों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। लोगों के सामान की भी सघन चेकिंग की जा रही है। सभी रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इंटेलिजेंस टीम को भी इस मामले को लेकर अवगत करवा दिया गया है। बीकानेर में भी स्टेशन को उड़ाने की धमकी मिलने के बाद बुधवार को रेल प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। वहीं, ट्रेन की बोगियों से लेकर यात्रियों के समानों तक की गहनता से जांच की जा रही है। साथ ही डॉग स्क्वायड टीम को भी स्टेशन परिसर पर लगाया गया है। हालांकि, फिलहाल तक कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुआ है। रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और बीएसएफ जवानों ने जीआरपी और आरपीएफ पुलिस के साथ जंक्शन स्टेशन की तलाशी ली। मगर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। दूसरी तरफ घटना की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्यारेलाल मीना जंक्शन स्टेशन पर पहुंचे और जीआरपी और आरपीएफ पुलिस के साथ जंक्शन थाना के जवानों को रेलवे स्टेशन पर तैनात किया। इस संबंध में जीआरपी थाना में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

प्रयागराज में स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाएं : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गंगा जोन रामघाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी के स्वच्छता आग्रह को जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। हमें संकल्प लेना होगा कि अपने आसपास के परिवेश की स्वच्छता के लिए प्रतिदिन अपना योगदान देना है। उन्होंने स्वच्छ देश स्वच्छ प्रयागराज एवं निर्मल एवं स्वच्छ गंगा का संदेश देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुभारम्भ किए गए स्वच्छता अभियान के सफल 10 वर्षों की बधाई दी। कहा कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रारम्भ हुए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निर्मित स्वच्छता, स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षा के संरक्षण का प्रतीक मिशन आज एक ऐसा जन आंदोलन बन चुका है जिसे प्रत्येक नागरिक को एक स्वच्छ और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय रूप

से सहभागी बनने का अवसर प्रदान किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि प्रयागराज वासियों द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता ने गंगा क्षेत्र को राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत किया है। इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। लेकिन हमें प्रयागराज को उसकी महिमा और उसकी गरिमा के अनुरूप स्वच्छ एवं सुंदर बनाना है और इसके लिए स्वच्छता मिशन हमें अपने जीवन का अंग बनाना होगा। कहा कि नगर निगम द्वारा लगातार 15 दिन से चल रहे स्वच्छता अभियान के क्रम में शहर के कोने-कोने में स्वच्छ जागरूकता रैली व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रयागराज की जनता को जागरूक करने का कार्य किया गया। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्वच्छता प्रहरियों को सम्मानित भी किया। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, वरुण केसरवानी, पदुम जयसवाल, सुभाष वैश्य, अमर सिंह, पार्षद गण राजेश निषाद, दीपिका, अरुण चौहान, अनुपमा तीर्थराज पांडेय, भरत निषाद, मुकेश लारा, रूद्रसेन जायसवाल, आशीष द्विवेदी, रितेश मिश्रा, अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव, स्वच्छता कार्यक्रम प्रभारी सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पांडेय, जोनल अधिकारी संजय ममगई आदि उपस्थित रहे।

लीलाराम पर सुरजेवाला का पलटवार बोले, भाजपा गुंडों की पार्टी

कैथल (हिंस)। मुख्यमंत्री की रैली के दौरान भाजपा के कैथल विधानसभा से उम्मीदवार लीलाराम द्वारा खुद को गुंडा बताकर सुरजेवाला को चैलेंज करने के बयान पर रणदीप सुरजेवाला ने भी पलटवार किया है। बुधवार को कैथल के एक निजी पैलेस में बेटे आदित्य सुरजेवाला के प्रचार के लिए आयोजित मातृशक्ति आशीर्वाद सम्मेलन में रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा गुंडों की पार्टी है। यह अब साबित हो गया है। क्योंकि स्वयं भाजपा के विधायक भरे मच से मुख्यमंत्री की मौजूदगी में खुद को गुंडा बता रहे हैं और नायब सैनी उस पर तालियां बजा रहे हैं। अब कैथल की जनता को चुनना है कि वह भाजपा के गुंडों को चाहते हैं या फिर कांग्रेस की शराफत को लाना चाहते हैं। यह फैसला आगामी 5 अक्तूबर को जनता जनार्दन को करना है। आज पंचायत समिति के 17 सदस्य कांग्रेस में शामिल हुए हैं। कैथल में आदित्य सुरजेवाला को हर वर्ग का आशीर्वाद मिल रहा है। कैथल की जनता से अनुरोध है कि बिना किसी डर और भय के अधिक से अधिक मतदान करें और गुंडा तत्वों को शिकस्त दे। बता

दें कि 30 सितंबर को मुख्यमंत्री की जन आशीर्वाद रैली में कैथल के भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक लीलाराम गुर्जर ने भरे मंच सुरजेवाला को चेतावनी देते हुए अपने आप को सबसे बड़ा गुंडा बताया था। जब लीलाराम अपना संबोधन कर रहे थे उसे समय मंच पर हरियाणा के कार्यकारी मुख्यमंत्री नायब सैनी भी मौजूद थे। जिन्होंने लीलाराम के इस संबोधन पर खूब तालियां भी बजाई थी।

यूपी में करीब 46 फीसद घटीं पराली जलाने की घटनाएं

लखनऊ (हिंस)। पराली जलाने को लेकर योगी सरकार की सख्ती और प्रोत्साहन की नीति कामयाब रही। उत्तर प्रदेश में सात वर्षों में पराली जलाने की घटनाओं में करीब 46 फीसद की कमी आई है। 2017 में पराली जलाने की 8784 घटनाएं हुई थीं। 2023 में ये घटकर 3996 हो गईं। किसानों को जागरूक करने का यह सिलसिला इस सीजन में भी जारी है। साथ ही सरकार पराली की खेत में ही कम्पोस्टिंग के लिए 7.5 बायो डी कंपोजर भी उपलब्ध करवा रही है। एक बोतल डी कंपोजर से एक एकड़ खेत की पराली की कम्पोस्टिंग की जा सकती है। मालूम हो कि पराली जलाने पर 15 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान है। अगर आप कटाई के बाद धान की पराली जलाने की सोच रहे हैं तो रुकिए और सोचिए। आप सिर्फ खेत नहीं उसके साथ अपनी किस्मत खाक करने जा रहे हैं। क्योंकि, पराली के साथ फसल के लिए सर्वाधिक जरूरी पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश (एनपीके) के साथ अरबों की संख्या में भूमि के मित्र बैक्टीरिया और फफूंद भी जल जाते हैं। शोधों से साबित हुआ है कि बचे डंठलों में एनपीके की मात्रा क्रमशः 0.5, 0.6 और 1.5 फीसद होती है। जलाने की बजाय अगर खेत में ही इनकी कम्पोस्टिंग कर दी जाए तो मिट्टी को यह खाद उपलब्ध हो जाएगी। इससे अगली फसल में करीब 25 फीसद उर्वरकों की बचत से खेती की लागत में इतनी ही कमी आएगी और लाभ इतना ही बढ़ जाएगा। भूमि के कार्बनिक तत्वों, बैक्टिरिया फफूंद का बचना, पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग

में कमी बोनस होगा। गोरखपुर एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप के एक अध्ययन के अनुसार प्रति एकड़ डंठल जलाने पर पोषक तत्वों के अलावा 400 किग्रा उपयोगी कार्बन, प्रतिग्राम मिट्टी में मौजूद 10-40 करोड़ बैक्टीरिया और 1-2 लाख फफूंद जल जाते हैं। फसल अवशेष से ढकी मिट्टी का तापमान नम होने से इसमें सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ जाती है,जो अगली फसल के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व मुहैया कराते हैं। इतना ही नहीं, अवशेष से ढकी मिट्टी की नमी संरक्षित रहने से भूमि के जल धारण की क्षमता भी बढ़ती है। इससे सिंचाई में कम पानी लगने से इसकी लागत घटती है। साथ ही दुर्लभ जल भी बचता है। डंठल जलाने की बजाय उसे गहरी जोताई कर खेत में पलट कर सिंचाई कर दें। शीघ्र सड़न के लिए सिंचाई के पहले प्रति एकड़ 5 किग्रा यूरिया का छिड़काव कर सकते हैं। इसके लिए कल्चर भी उपलब्ध है।

हरियाणा भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

रोहतक (हिंस)। भाजपा प्रदेश प्रभारी की अचानक तबीयत खराब हो गई। ज्यादा दर्द के चलते उन्हें तुरंत रोहतक के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधावार को उनकी सर्जरी की गई। डॉक्टरों का कहना है कि एपेंडिक्स के चलते ज्यादा दर्द हो गया था और तुरंत सर्जरी करनी जरुरी थी। अब उनकी हालत में सुधार है। बुधवार दोपहर बाद अचानक भाजपा प्रदेश प्रभारी सतीश पुनिया की तबीयत खराब हो गई, उस वक्त वह प्रदेश पार्टी कार्यालय में मौजूद थे। इसी दौरान उन्हें तुरंत शहर के एक बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि एपेंडिक्स के चलते तबीयत खराब हुई है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम ने उनकी सर्जरी की और अब उनकी हालत में काफी सुधार है। पूनिया की तबीयत खराब होने की खबर का पता चलने पर काफी भाजपा नेता अस्पताल पहुंचे और उनका हालचाल पूछा।

मुजफ्फरपुर में बाढ़ राहत सामग्री लेकर जा रहा वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, पायलट और सभी जवान सुरक्षित

पटना (हिंस)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड अन्तर्गत घनश्यामपुर पंचायत के बेसी बाजार के निकट बुधवार दोपहर भारतीय वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हेलीकॉप्टर सीतामढ़ी जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री लेकर जा रहा था। उसी दौरान उसमें तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते हेलीकॉप्टर क्रैश कर गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और उन्होंने हेलीकॉप्टर में सवार पायलट समेत चारों जवानों को बचा लिया। इस घटना में हेलीकॉप्टर के पायलट समेत चारों जवान सुरक्षित हैं। मुजफ्फरपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश कुमार ने *हिंदुस्थान समाचार* से बातचीत में बताया कि हेलीकॉप्टर ने औराई प्रखंड के बाढ़ प्रभावित इलाके में आपात लैंडिंग की है। स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और जवानों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि चारों जवान सुरक्षित हैं और उन्हें एहतियात के तौर पर श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसकेएमसीएच) भेजा गया है, जहां उनके

स्वास्थ्य की जांच और उपचार किया जा रहा है। इस दुर्घटना को लेकर भारतीय वायु सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि इंजन फेल होने के बाद पायलट ने पानी में हेलीकॉप्टर को लैंड कराया। सभी एयरफोर्स जवान और पायलट सुरक्षित हैं। पानी में लैंडिंग के दौरान विमान क्रैश हो गया। घटना के बाद सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंच गई है, जो हेलीकॉप्टर की स्थिति की जांच कर रही है। इस बीच वायुसेना की ओर से तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम भी हेलीकॉप्टर में आई खराबी की जांच के लिए भेजी गई है।

2000 रुपए के 98 फीसदी नोट वापस आए, चलन से पूरी तरह बाहर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो हजार रुपए के नोटों पर बड़ा अपडेट देते हुए कहा कि चलन से बाहर हुए इन नोटों का 98 फीसदी हिस्सा अब तक वापस आया है। 19 मई 2023 को 2000 रुपए के नोटों को बंद करने घोषणा की गई थी। उस समय बाजार में इन नोटों का कुल मूल्य करीब 3.6 लाख करोड़ रुपए था। अब यह आंकड़ा घटकर सिर्फ 7,117 करोड़ रह गया है, जो यह बताता

आरबीआई के इस कदम का उद्देश्य डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना

है कि ज्यादातर 2000 हजार के नोट जमा हो गए या एक्सचेंज करा लिए गए हैं। आरबीआई के आंकड़ों के बाद स्पष्ट हो गया है कि 2000 रुपए के नोट अब करीब पूरी तरह से चलन से बाहर हो चुके हैं। 8 नवंबर 2016 को जब भारत में नोटबंदी लागू की गई थी, उस समय 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को बंद कर दिया गया था और 2000 रुपए के नोटों को चलन में लाया गया था ताकि नकदी संकट से निपटा जा सके लेकिन 2023 में आरबीआई ने इन्हें धीरे-धीरे वापस लेने का फैसला लिया। लोगों को 7 अक्टूबर 2023 तक अपने 2000 रुपए के नोट जमा करने या बदलवाने की सुविधा दी गई थी। इसके बाद भी, जो लोग समय सीमा में अपने नोट जमा नहीं कर पाए थे, उन्हें आरबीआई के 19 रीजनल ऑफिस और डाकघरों के जरिए से यह सुविधा दी गई। आरबीआई ने पहले एक सितंबर 2024 को भी एक अपडेट जारी किया था, जिसमें यह बताया गया था कि 30 अगस्त 2024 तक 2000 रुपए के कुल 3.56 लाख करोड़ रुपए के नोट वापस आ चुके हैं। तब बैंकिंग प्रणाली में 7,261 करोड़ रुपए के नोट चलन में थे, जो अब घटकर 7,117 करोड़ रुपए रह गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

निवेशकों को हो रहे नुकसान को रोकने सेबी ने किए छह सुधारात्मक उपाय, अनुबंधों का आकार 5 लाख से बढ़ाकर 15 लाख रुपए किया

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव ट्रेडिंग में अटकलबाजी और खुदरा निवेशकों को हो रहे भारी नुकसान पर रोक लगाने के लिए छह सुधारात्मक उपायों का ऐलान किया है। सेबी के मुताबिक इन उपायों का उद्देश्य डेरिवेटिव बाजार में स्थिरता लाना और निवेशकों के हितों की सुरक्षा तय करना है। सेबी के मुताबिक पिछले तीन वित्त वर्षों में 93 फीसदी से ज्यादा खुदरा निवेशकों को वायदा एवं विकल्प (एफऐंडओ) सेगमेंट में कुल 1.8 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इतनी बड़ी मात्रा में घाटा होने से आरबीआई और मुख्य आर्थिक सलाहकार सहित अन्य वित्तीय नियामकों ने भी चिंता जताई थी। इसको ध्यान में रखते हुए सेबी ने डेरिवेटिव ट्रेडिंग ढांचे में अहम बदलाव किए हैं। पहले डेरिवेटिव अनुबंधों का आकार 5 लाख था, जिसे बढ़ाकर 15 लाख रुपए कर दिया गया है। यह पहली बार है जब पिछले 9 साल में अनुबंध के आकार में कोई बदलाव किया गया है। वही शॉर्ट पोजीशन अनुबंधों पर अतिरिक्त 2 फीसदी का अत्यधिक नुकसान मार्जिन लागू किया जाएगा, जो 20 नवंबर 2024 से लागू होगा। ब्रोकरों को अब ऑप्शन खरीदारों से प्रीमियम अग्रिम में लेना अनिवार्य होगा, जिससे इंट्राडे ट्रेडिंग में अत्यधिक लाभ उठाने से रोका जा सके। साप्ताहिक निपटान को प्रति एक्सचेंज एक बेंचमार्क तक सीमित किया गया है। इससे अत्यधिक अटकलबाजी और बाजार में अस्थिरता कम होगी। स्टॉक एक्सचेंजों को निर्देश दिया गया है कि वह पोजीशन लिमिट पर इंट्राडे के आधार पर नजर रखें। यह नियम अप्रैल 2025 से लागू होगा। निपटान के दिन अलग कैलेंडर की व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है, ताकि बाजार में समानता और पारदर्शिता आए। सेबी के इन बदलावों का उद्देश्य खुदरा निवेशकों को हो रहे भारी नुकसान को कम करना और डेरिवेटिव बाजार में स्थिरता लाना है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये कदम आने वाले समय में खुदरा निवेशकों को सुरक्षित निवेश वातावरण प्रदान करने में मददगार साबित होंगे।

पंजाब की मान सरकार ने बढ़ाया मजदूरी शुल्क, सरकार पर पड़ेगा अतिरिक्त बोझ

चंडीगढ़। पंजाब की अनाज मंडियों में काम करने वाले मजदूरों को मान सरकार ने राहत दी है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने अनाज की लोडिंग और अनलोडिंग के लिए मजदूरी शुल्क बढ़ाने का ऐलान किया है। मजदूरी शुल्क में एक रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। यह कदम मंडियों में काम करने वाले मजदूरों के लिए राहत देने वाला बताया जा रहा है। इस वृद्धि से राज्य के खजाने पर करीब 18 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार आएगा। सीएम की इस घोषणा के साथ ही खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के लिए धान की खरीद भी शुरू हो गई है। सीएम मान ने अपने मंत्रियों और विधायकों को निर्देश दिया है कि वे राज्य की मंडियों का दौरा करें और धान की खरीद प्रक्रिया को तेज करवाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रक्रिया को सुचारू और परेशानी मुक्त किया जाए ताकि किसानों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में धान की खरीद प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।

अब मध्य प्रदेश में कमर्शियल क्षेत्र के फ्लोर एरिया को किया जाएगा दोगुना

भोपाल। मध्य प्रदेश के कमर्शियल क्षेत्रों में भवन निर्माण को लेकर बदलाव होने वाले हैं। राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि प्रदेशभर में कमर्शियल क्षेत्र के फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) को दोगुना कर 5 से 7 तक किया जाएगा। वर्तमान में भोपाल में एफएआर 2.5 है, जो नए नियम के लागू होने के बाद व्यापारिक भवनों के लिए ज्यादा मंजिलें बनाने की अनुमति देगा। इस कदम से न केवल व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि शहरी विकास को भी नई दिशा मिलेगी। इसके अलावा, बिल्डिंग में नेशनल बिल्डिंग कोड का पालन अनिवार्य होगा। इस बदलाव का उद्देश्य भवनों की संरचना को और ज्यादा मजबूत और सुरक्षित बनाना है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने भूमि विकास नियम-2012 में संशोधन के लिए प्रस्ताव तैयार किया है और जल्द ही इसका नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। यह बदलाव राजधानी भोपाल और पूरे प्रदेश के शहरी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नए नियमों की विशेषताओं में सभी दुकानों और आवासों में आग से सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इससे आगजनी की घटनाओं में कमी आएगी।

केंद्र ने एमपीसी का किया पुनर्गठन, इस बार भी रेपो रेट में बदलाव की उम्मीद कम

एमपीसी में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार नए सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की नीतिगत दर तय करने वाली संस्था मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का पुनर्गठन कर दिया है। एमपीसी की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक सात से नौ अक्टूबर तक होगी। इस बार भी नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में बदलाव की उम्मीद नहीं है।

वित्त मंत्रालय की एक अधिसूचना के मुताबिक, आरबीआई की नीतिगत दर निर्धारण वाली एमपीसी में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार को नया बाहरी सदस्य नियुक्त किया गया है। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति समिति के पुनर्गठन को नोटिफाई किया है। इन नए सदस्यों की नियुक्ति चार साल के लिए की गई है।

आरबीआई के एमपीसी पुनर्गठन के तहत दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक प्रो. राम सिंह, अर्थशास्त्री सौगत भट्टाचार्य और नई दिल्ली स्थित औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक और मुख्य कार्यपालक डॉ. नागेश कुमार इसके बाह्य सदस्य बनाए गए हैं। नीतिगत दर तय करने वाली एमपीसी के प्रमुख रिजर्व बैंक के गवर्नर शकितकांत दास हैं।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में पुनर्गठित मौद्रिक नीति समिति की पहली द्विमासिक समीक्षा बैठक सात से नौ अक्टूबर को होनी है। इस बैठक के बाद गवर्नर शक्तिकांत दास नौ अक्टूबर को घोषणा करेंगे। एमपीसी का गठन 2016 में मौद्रिक नीति रूपरेखा समझौते को अंतिम रूप देने के बाद किया गया था। इसमें महंगाई के लक्ष्य का निर्धारण किया गया था। इसके तहत आरबीआई को मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

आर्थिक मामलों के जानकारों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में आरबीआई की तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी की समीक्षा बैठक 7-9 अक्टूबर तक चलेगी। इस बैठक में भी ब्याज दरों में बदलाव की संभावना नहीं है। इससे पिछली बैठक अगस्त में हुई थी, जिसमें एमपीसी ने लगातार 9वीं बार ब्याज दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया था। इस बार भी नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में बदलाव की उम्मीद नहीं है।

कितने सदस्यों वाली होती है एमपीसी

आरबीआई अधिनियम के प्रावधानों के मुताबिक, मौद्रिक नीति समिति में छह सदस्य होते है। ये समिति नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव पर फैसला लेता है। समिति में तीन सदस्य आरबीआई के होते हैं जबकि तीन सदस्य केंद्र सरकार नियुक्त करती है। छह सदस्यीय समति की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर करते हैं। इसके आधिकारिक सदस्यों में रिजर्व बैंक में मौद्रिक नीति के प्रभारी डिप्टी गवर्नर, मौद्रिक नीति विभाग के कार्यकारी निदेशक और एक अन्य अधिकारी इसके सदस्य होते हैं। इसकी बैठक हर दो महीने में होती है।

क्या होता है नीतिगत दर यानी रेपो रेट

रेपो रेट वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक किसी भी तरह की कमी की स्थिति में वाणिज्यिक बैंकों को पैसे उधार देता है। आरबीआई रेपो दर का उपयोग मौद्रिक प्राधिकरण मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए करते हैं। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट में 0.25 फीसदी का इजाफा किया था, जो बढ़कर अभी 6.50 फीसदी पर है। रिजर्व बैंक ने कोरोना के दौरान 27 मार्च, 2020 से 9 अक्टूबर, 2020 के बीच दो बार रेपो रेट में 0.40 फीसदी की कटौती की थी। इसके बाद आरबीआई ने 5 बार नीतिगत ब्याज दरों में इजाफा किया। चार बार इसमें कोई बदलाव नहीं किया जबकि एक बार अगस्त 2022 में 0.50 फीसदी की कटौती की थी। कोविड-19 से पहले 6 फरवरी, 2020 को रेपो रेट 5.15 फीसदी पर था। उल्लेखनीय है कि इस समय एमपीसी के बाह्य सदस्यों में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. आशिमा गोयल, नेशनल काउंसिल फॉर एप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च में वरिष्ठ सलाहकार शंशाक भिडे और भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद के प्रोफेसर जयंत आर वर्मा हैं।

ईरान-इजरायल संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों में चार फीसदी बढ़ोतरी

पेट्रोल, डीजल, खाद्य पदार्थ की कीमतें छू सकती हैं आसमान

नई दिल्ली। ईरान द्वारा इजरायल पर मिसाइल हमलों के बाद वैश्विक स्तर पर जियोपॉलिटिकल तनाव गहराता जा रहा है। इस संघर्ष का असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला, जहां अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें चार फीसदी तक बढ़ गई हैं। वहीं ब्रेंट क्रूड वायदा 3.5 फीसदी बढ़कर 74.2 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 3.7 फीसदी की बढ़त के साथ 70.7 डॉलर प्रति बैरल पर हो गया है। इस तेजी से पूरी दुनिया में महंगाई बढ़ने की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही अस्थिर है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का असर कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। शेयर बाजारों में भी इसका प्रभाव देखा गया, जहां निफ्टी और डाओ फ्यूचर्स समेत कई देशों के बाजार लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह युद्ध लंबा चला, तो कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं, जिससे पेट्रोल, डीजल, खाद्य पदार्थ और अन्य जरुरी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू सकती हैं। ऑयल एक्सप्लोरेशन कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के शेयरों में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि इन कंपनियों को महंगे कच्चे तेल से फायदा हो सकता है।

दूसरी ओर पेंट और टायर कंपनियों के शेयरों में गिरावट की उम्मीद है, क्योंकि इन उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। इसके अलावा जियोपॉलिटिकल तनाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में भी उछाल देखने को मिल सकता है। युद्ध जैसे हालात में निवेशक गोल्ड में निवेश को सुरक्षित मानते हैं, जिससे सोने की मांग और कीमतें बढ़ जाती हैं। ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच, निवेशक गोल्ड की तरफ रुख कर सकते हैं।

ऐसे संघर्षों का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, खासकर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर। युद्ध की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आयात-निर्यात और सप्लाई चैन बुरी तरह प्रभावित होते हैं, जिससे महंगाई बढ़ने लगती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भी ऐसा ही हुआ जब कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और वैश्विक बाजारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

गोयल ने कहा- भारत में वैश्विक निवेशकों के लिए अपार संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी कारोबारियों को भारत को विकास यात्रा का हिस्सा बनने, मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया। चार दिवसीय आधिकारिक दौर पर अमेरिका पहुचे वाणिज्य मंत्री भारत और अमेरिका के बीच मजबूत व्यापारिक और निवेश संबंधों को बल देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हुए।

वाणिज्य मंत्री ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर दी जानकारी में कहा कि उन्होंने यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) सहित कई अलग-अलग बैठकों में विभिन्न क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा करने के लिए प्रमुख वैश्विक फर्मों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि न्यूजवीक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और मालिक देव प्रगाद से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

गोयल ने आगे लिखा कि भारतीय मूल के एक युवा उद्यमी को मीडिया की प्रभावशाली दुनिया में एक बड़ा प्रभाव और सकारात्मक योगदान देते हुए देखकर गर्व हुआ। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल संयुक्त राज्य अमेरिका की वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो के निमंत्रण पर 3 अक्टूबर तक अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरान वह वाशिंगटन डीसी में आयोजित छठे भारत-अमेरिका वाणिज्यिक संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे।

मुनाफावसूली से हल्दी की कीमतों में आई गिरावट, 5 फीसदी भाव नीचे आए

नई दिल्ली। बीते कुछ दिनों से हल्दी की कीमतों में गिरावट नजर आ रही है। जानकारों के मुताबिक इसके दाम घटने की वजह मुनाफा वसूली है। बारिश से नुकसान की खबर से हल्दी के दाम चढ़ गए थे। इसलिए ऊंचे भाव पर बाजार में मुनाफा वसूली चल रही है। छोटी अवधि में हल्दी के भाव और गिर सकते हैं लेकिन लंबी अवधि में भाव बढ़ने की संभावना है।

कमोडिटी एक्सचेंज नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर हल्दी का अक्टूबर अनुबंध सप्ताह भर पहले 14,530 रुपए पर बंद हुआ था, यह बुधवार को खबर लिखे जाने तक 13,830 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस तरह सप्ताह भर में भाव में करीब पांच फीसदी की गिरावट आई है। इसके भाव में करीब 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अगस्त महीने में इसके भाव गिरकर 13 हजार रुपए से नीचे चले गए लेकिन पिछले महीने बारिश से नुकसान की

खबर ने भाव बढ़कर 15 हजार रुपए करीब पहुंचा दिए थे।

कमोडिटी विश्लेषक ने बताया कि बीते दिनों हल्दी के भाव चढ़ गए थे। अब इसमें मुनाफावसूली होने से दामों में गिरावट आई है। स्टॉकिस्ट माल निकाल रहे हैं। इस साल हल्दी का रकबा 20 फीसदी ज्यादा होने से उत्पादन बढ़ने की संभावना है। बांग्लादेश से हल्दी की निर्यात मांग भी कमजोर हुई है। लिहाजा हल्दी के दाम में सुस्ती देखने को मिल रही है।

ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री हुई कम, प्रतिस्पर्धी कंपनियों से मिल रही चुनौती

नई दिल्ली।

भारत की टॉप इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने इस साल सितंबर में सबसे कम बिक्री की है जिससे बाजार में इसका दबदबा कमजोर पड़ गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक साफ्टबैंक समर्थित कंपनी ओला इलेक्ट्रिक को छोटी प्रतिस्पर्धी कंपनियों और सर्विस नेटवर्क की चुनौतियों के कारण गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ओला इलेक्ट्रिक ने करीब दो महीने पहले शेयर बाजार में कदम रखा था। कंपनी ने सितंबर 2024 में 23,965 वाहन बेचे। यह लगातार दूसरे महीने गिरावट का संकेत देती है। इस दौरान ओला की निकटतम प्रतिस्पर्धी कंपनी टीवीएस मोटर की लगातार पांच महीने से और बजाज ऑटो की लगातार तीन महीने से बाजार की हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है।

ओला कंपनी ने अक्सर बाजार की तुलना में कम कीमतों पर अपने ई-स्कूटर बेचे हैं। अब इसके स्कूटर्स की बिक्री में गिरावट कंपनी के वित्तीय परिणामों के लिए एक चुनौती बन गई है। कंपनी अब तक मुनाफा नहीं कमा सकी है। विश्लेषकों का मानना है कि ओला की बढ़त को प्रतिस्पर्धियों की तरफ से नए मॉडल लॉन्च करने से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

साथ ही कंपनी के कमजोर सर्विस नेटवर्क की वजह से स्कूटर्स की मरम्मत पेंडिंग है और यह भी कंपनी की साख को नुकसान पहुंचा रही है।

बजाज और टीवीएस ने अपने डीलरशिप नेटवर्क के विस्तार से ओला को चुनौती दी है। एलारा कैपिटल के मुताबिक बजाज ने पिछले साल अपने चेतक ई-स्कूटर्स के लिए डीलरशिप की संख्या 100 से बढ़ाकर जून तक 500 कर दी थी, जबकि ओला की डीलरशिप संख्या 750 से केवल 800 तक बढ़ी है। पिछले महीने एक शख्स को हाल ही में खरीदे गए ई-स्कूटर की खराब सेवा से असंतुष्ट होकर कर्नाटक राज्य में एक ओला शोरूम में आग लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। विश्लेषकों ने पिछले महीने एक नोट में कहा था कि ओला की बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने में सर्विस कंपनी की बड़ा रोल होगा।

नवरात्रि के कारण इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग स्थगित

नई दिल्ली।
इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) जो मूल रूप से 4-19 अक्टूबर तक होने वाली थी, उसे आगामी नवरात्रि उत्सव के कारण स्थगित कर दिया गया है, आयोजकों ने बुधवार को उक्त घोषणा की।

आईपीकेएल की ओर से एक बयान में कहा गया, इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के आयोजकों ने आगामी नवरात्रि उत्सव के मद्देनजर इस आयोजन को स्थगित करने का कठिन निर्णय लिया है, जो लाखों भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक उत्सव है।

बयान में कहा गया, नवरात्रि, जो 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर, 2024 तक मनाई जाएगी, हमारे दर्शकों, खिलाड़ियों और कर्मचारियों के एक बड़े हिस्से के लिए अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व रखती है।

यह त्योहार भक्ति, पारिवारिक समारोहों और सामुदायिक समारोहों का समय है, और हमारा मानना है कि इससे जुड़ी भावनात्मक और सांस्कृतिक भागीदारी का सम्मान और सम्मान करना महत्वपूर्ण है।

बयान में आगे कहा गया, हम समझते हैं कि हमारे प्रशंसक इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग से मिलने वाले उत्साह और प्रतिस्पर्धा का बेसब्री से इंतजार करते हैं, लेकिन हमारे लिए यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यह आयोजन तब हो जब हमारे सभी समर्थक, खिलाड़ी और कर्मचारी इसका पूरा आनंद उठा सकें और इसमें भाग ले सकें।

आयोजन को स्थगित करने से हमें अपने दर्शकों की सांस्कृतिक संवेदनशीलता के साथ तालमेल बिठाने का मौका मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हम टूर्नामेंट को ऐसे समय सीमा में आयोजित कर सकें जो इतने सारे लोगों के लिए इस सार्थक अवधि में बाधा न डाले। आईपीकेएल ने कहा कि वह वर्तमान में इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग के लिए नई तारीखों को अंतिम रूप देने पर काम कर रहा है और जल्द से जल्द अपडेट देगा। बयान में कहा गया है, मूल तिथियों के लिए खरीदे गए सभी टिकट पुनर्निर्धारित कार्यक्रम के लिए वैध रहेंगे। जो प्रशंसक रिफंड चाहते हैं, उन्हें हमारे आधिकारिक चैनलों के माध्यम से स्पष्ट निर्देश भी दिए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

एएफआई ने पूर्व विश्व चैंपियन मकारोव को नए भाला फेंक कोच के रूप में चुना, साई की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने पूर्व विश्व चैंपियन और ओलंपिक पदक विजेता सर्गेई मकारोव को भाला फेंक खिलाड़ियों का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। हालांकि अभी भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की मंजूरी बाकी है। भाला फेंक कोच लाने का फैसला डॉ. क्लॉस बार्टोनिट्ज़ के उस बयान के तुरंत बाद आया है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि वे अगले ओलंपिक चक्र के लिए उस भूमिका में बने नहीं रहेंगे। बार्टोनिट्ज़ दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा के दीर्घकालिक कोच हैं। 75 वर्षीय बार्टोनिट्ज़ को नीरज की कोहनी की गंभीर चोट से वापसी का श्रेय दिया जाता है और फिर उन्हें लंबे समय तक कमर की चोट से उबरने में मदद की, जबकि उन्होंने इतनी निरंतरता बनाए रखी कि वे विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीतने में सफल रहे, साथ ही उन्होंने अपने दो ओलंपिक पदक भी जीते। मकारोव के पास भाला फेंकने का अच्छा अनुभव है। वह दो बार ओलंपिक पदक विजेता हैं, जिन्होंने 2000 और 2004 ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता है। वह 2003 के विश्व चैंपियन और 2005 के विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता भी हैं। रूसी खिलाड़ी का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 92.61 मीटर है, जो उन्हें सर्वकालिक सूची में आठवें स्थान पर रखता है। यह देखना अभी बाकी है कि नीरज मकारोव के साथ काम करेंगे या व्यक्तिगत ध्यान के लिए कोई दूसरा कोच चुनेंगे। हालांकि, बार्टोनिट्ज़ ने भी नीरज के साथ विशेष रूप से काम करने से पहले भारत में अपना कार्यकाल कई एथलीटों के साथ काम करके शुरू किया था।

टिम साउथी ने न्यूजीलैंड टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी

वेलिंगटन। टिम साउथी ने न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है, टॉम लॉथम अब

पूर्णकालिक कप्तान की भूमिका निभाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बुधवार को उक्त घोषणा की। यह घोषणा न्यूजीलैंड के श्रीलंका में टेस्ट सीरीज में 2-0 से हारने के कुछ ही दिनों बाद की गई है। पूर्णकालिक कप्तान के रूप में लॉथम का पहला काम भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज होगी। न्यूजीलैंड के प्रमुख तेज गेंदबाज साउथी ने 2008 में पदार्पण करने के बाद से टीम के लिए 102 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 382 विकेट लिए हैं। उन्होंने दिसंबर 2022 में केन विलियमसन से कप्तान का पद संभाला और 14 टेस्ट मैचों में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें छह जीत, छह हार और दो ड्रॉ रहे। पद छोड़ने के अपने फैसले के बारे में साउथी ने कहा कि यह टीम के सर्वोत्तम हित में लिया गया था। उन्होंने कहा, मेरे लिए इतने खास प्रारूप में ब्लैककैप्स की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत सम्मान और सौभाग्य की बात है। मैंने अपने पूरे करियर में हमेशा टीम को सर्वोपरि रखने की कोशिश की है और मेरा मानना है कि यह निर्णय टीम के लिए सर्वोत्तम है। साउथी ने कहा, मेरा मानना है कि जिस तरह से मैं टीम की सेवा कर सकता हूँ, वह है मैदान पर अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, विकेट लेना और न्यूजीलैंड को टेस्ट मैच जीतने में मदद करना। मैं हमेशा की तरह अपने साथियों का समर्थन करना जारी रखूँगा, खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाने वाले रोमांचक युवा गेंदबाजों का।

बाबर आजम ने पाकिस्तान की सफेद गेंद टीम की कप्तानी से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम ने सीमित ओवरों की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। 29 वर्षीय बाबर को 2023 वनडे विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के वाइट-बॉल कप्तान के पद से हटा दिया गया था। हालांकि, केवल तीन महीने की अवधि के बाद, उन्हें मार्च 2024 में फिर से इस पद पर नियुक्त कर दिया गया था। बाबर का दूसरा कार्यकाल भी खराब रहा,पाकिस्तान टी20 विश्व कप से ग्रुप चरणों में बाहर हो गया, जिसमें टीम को यूएसए से हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष स्थान पर रहने के बाद चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से हार भी चर्चा का विषय रही। टेस्ट टीम हाल ही में इतिहास में पहली बार बांग्लादेश से हारी। बाबर ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर संन्यास की घोषणा की। उन्होंने लिखा, प्रिय प्रशंसकों, मैं आज आपके साथ कुछ समाचार साझा कर रहा हूँ। मैंने पिछले महीने पीसीबी और टीम प्रबंधन को दी गई अपनी अधिसूचना के अनुसार पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान के पद से इस्तीफ़ा देने का फ़ैसला किया है। बाबर ने आगे लिखा, इस टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है, लेकिन अब समय आ गया है कि मैं पद छोड़ दूं और अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करूं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

बुमराह नंबर 1 गेंदबाज बने, करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर पहुंचे जायसवाल

नई दिल्ली।
भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान पर लौट आए हैं, जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। आईसीसी के अनुसार, कानपुर में बांग्लादेश पर भारत की हाल ही में सात विकेट की जीत के दौरान मैच में अपने छह विकेटों के दम पर बुमराह (870 रेटिंग अंक) ने टीम के साथी रविचंद्रन अश्विन (869 रेटिंग अंक) को पीछे छोड़ दिया और दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। अश्विन ने उस मैच के दौरान पांच विकेट लिए थे। बांग्लादेश को मेहदी हसन (चार स्थान ऊपर 18वें स्थान पर) और अनुभवी स्पिनर शाकिब अल हसन (पांच स्थान ऊपर 28वें स्थान पर) ने रैंकिंग में सुधार की।

श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे और टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से सातवें स्थान पर पहुंच गए।

इस हफ्ते की रैंकिंग अपडेट भारत के नाम है, जिसने बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया है। बांग्लादेश पर जीत की बदौलत भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है।

सलामी बल्लेबाज जायसवाल को बांग्लादेश के खिलाफ बारिश से प्रभावित टेस्ट के दौरान प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया और बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपडेटेड टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में दो पायदान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंचकर अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की। उन्होंने इस मुकाबले में 72 और 51 रन बनाए। इसका मतलब है कि टेस्ट बल्लेबाजों की अपडेटेड रैंकिंग में जायसवाल से आगे केवल इंग्लैंड के जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन हैं, जबकि टीम के उनके साथी विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ 47 और 29* रन बनाकर छह पायदान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज कामिंडू मेंडिस भी आगे बढ़ रहे हैं। 26 वर्षीय मेंडिस न्यूजीलैंड के साथ अपनी टीम की हालिया सीरीज के दूसरे टेस्ट में एक और शतक बनाने के बाद अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। वह पांच पायदान के सुधार के साथ 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में दिनेश चांदीमल (छह पायदान ऊपर 20वें स्थान पर) और एंजेलो मैथ्यूज (चार पायदान ऊपर 23वें स्थान पर) ने भी बढ़त हासिल की है, जबकि बांग्लादेश के मेहदी हसन (दो पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर) टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में बड़े बदलाव करने वाले हैं, जबकि भारत के रवींद्र जडेजा ने शीर्ष पर अपनी बढ़त बनाए रखी है।

नवीनतम व्हाइट-बॉल रैंकिंग में भी कुछ बदलाव हुए हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ अपनी टीम की श्रृंखला पूरी होने के बाद एकदिवसीय बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इंग्लैंड की जोड़ी हैरी ब्रूक (73 पायदान ऊपर 50वें स्थान पर) और बेन डकेट (30 पायदान ऊपर 54वें स्थान पर) बल्लेबाजों की सूची में अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के उनके साथी आदिल राशिद (चार पायदान ऊपर 24वें स्थान पर) और जोफ्रा आर्चर (16 पायदान ऊपर 40वें स्थान पर) वनडे गेंदबाजों की सूची में बड़े सुधार करने वाले खिलाड़ी हैं।

नवीनतम टी20आई रैंकिंग में, दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिक्स बल्लेबाजों की सूची में पांच पायदान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि नेपाल के स्टार दीपेंद्र सिंह ऐरी ने ऑलराउंडरों की सूची में अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है, वह चार पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

शंघाई मास्टर्स के पहले ही दौर से बाहर हुए सुमित नागल

नई दिल्ली।

सुमित नागल बुधवार को चीन के वू यिबिंग के खिलाफ पहले दौर में 6-3, 6-3 से हारकर शंघाई मास्टर्स से बाहर हो गए हैं। नागल ने पीठ में खिंचाव का हवाला देते हुए स्वीडन के खिलाफ हाल ही में डेविस कप मुकाबले से हटने का फैसला किया था, जिसके कारण उन्हें यूएस ओपन पुरुष युगल प्रतियोगिता से भी बाहर होना पड़ा। 27 वर्षीय खिलाड़ी हाल ही में डेविस कप में अपनी भागीदारी को लेकर अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के साथ सार्वजनिक विवाद के कारण सुर्खियों में रहे हैं। एआईटीए ने दावा किया कि सुमित नागल ने भारत के लिए डेविस कप मुकाबले खेलने के लिए 50,000 अमेरिकी डॉलर की वार्षिक फीस की मांग की, लेकिन देश के शीर्ष एकल खिलाड़ी ने अपना बचाव करते हुए कहा कि एथलीटों को उनकी सेवाओं के लिए भुगतान करना सामान्य प्रक्रिया है। एआईटीए सचिव अनिल धूपर ने एक बयान में कहा था, देश को तय करने दें कि यह सही है या नहीं। फिर, यह सरकार और हर किसी का निर्णय है। खिलाड़ियों को टॉप्स द्वारा भुगतान भी किया जाता है। और ऐसा नहीं है कि उन्हें डेविस कप खेलने के लिए भुगतान नहीं मिलता है। उन्हें भुगतान मिलता है। नागल ने एआईटीए के दावे से इनकार नहीं किया और सोशल मीडिया पर एक बयान के माध्यम से अपना बचाव किया। उन्होंने कहा, मुआवजे के संबंध में, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि पेशेवर खेलों में एथलीटों को प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी के लिए मुआवजा दिया जाना सामान्य प्रक्रिया है, यहां तक कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते समय भी। यह व्यक्तिगत लाभ के बारे में नहीं है, एआईटीए और डेविस कप कप्तान के साथ मेरी चर्चा गोपनीय है और मैं इस बारे में किसी भी तरह की अटकलें नहीं लगाना चाहूंगा।

भारत में पहली बार होगा खो-खो विश्व कप का आयोजन, 24 देश लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली।

भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) अंतरराष्ट्रीय खो-खो फेडरेशन के सहयोग से 2025 में भारत में पहले खो-खो विश्व कप का आयोजन करेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में 6 महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे। इसमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें भाग लेंगी।

खो-खो की जड़ें भारत में हैं और यह विश्व कप इस खेल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्रतिस्पर्धी भावना को उजागर करेगा। आज, यह खेल जो मिट्टी से शुरू हुआ और मैट पर आ गया है। अब दुनिया भर में यह खेल 54 देशों के साथ वैश्विक उपस्थिति बना चुका है।

विश्व कप से पहले खेल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय खो-खो महासंघ 10 शहरों के 200 एलीट स्कूलों में खेल को ले जाने की योजना बना रहा है। महासंघ स्कूली छात्रों के लिए सदस्यता अभियान भी चलाएगा, जिसका उद्देश्य विश्व कप से पहले कम से कम 50 लाख खिलाड़ियों को पंजीकृत करना है।

भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष शसुधांशु मित्तल ने आगामी आयोजन को लेकर कहा,हम पहले खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह टूर्नामेंट सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा की मिसाल नहीं बनेगा बल्कि यह देशों को एक साथ लाने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और दुनिया को खो-खो की सुंदरता और तीव्रता दिखाने का काम करेगा। हमारा अंतिम लक्ष्य 2032 तक खो-खो को ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता दिलाना है और यह विश्व कप उस सपने की ओर पहला कदम है।

इस टूर्नामेंट में एक हफ़्ते तक चलने वाले मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें दुनिया भर के शीर्ष-स्तरीय एथलीट अपने कौशल, चपलता और टीमवर्क का प्रदर्शन करेंगे। इस बीच, खो-खो विश्व कप का उद्देश्य इस स्वदेशी भारतीय खेल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचाना है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की मेजबानी करके, केकेएफआई 2032 संस्करण तक ओलंपिक खेलों में खो-खो की जगह सुरक्षित करने की इच्छा रखता है, जो खेल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

संयुक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ होगा आरईसी टैलेंट हंट मुक्केबाजी का समापन

नई दिल्ली।

द्वितीय ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड (आरईसी) टैलेंट हंट मुक्केबाजी का समापन 6-22 अक्टूबर, 2024 तक हरियाणा के रोहतक में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ होगा। आरईसी टैलेंट हंट मुक्केबाजी प्रतियोगिता के पहले दो चरण नोएडा और गुवाहाटी में आयोजित किये गए थे।भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) द्वारा बिजली मंत्रालय के तहत एक प्रमुख कंपनी आरईसी लिमिटेड और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित, द्वितीय आरईसी ओपन टैलेंट हंट प्रतियोगिता के पहले दो चरणों में सब-जूनियर से लेकर सीनियर आयु वर्ग के 4,000 से अधिक मुक्केबाजों ने नोएडा और गुवाहाटी में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। दोनों प्रतियोगिताओं के शीर्ष आठ मुक्केबाजों को फाइनल में पहुंचकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सीधे प्रवेश पाने का मौका मिलेगा। एलीट, यूथ पुरुष और महिला प्रतियोगिता 6 से 13 अक्टूबर तक खेली जाएगी, जिसमें एलीट मुक्केबाज 12 भार श्रेणियों में और युवा मुक्केबाज 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इसके बाद जूनियर और सब-जूनियर पुरुष और महिला प्रतियोगिताएं 15 से 22 अक्टूबर तक होंगी और इनमें क्रमशः 13 और 14 भार श्रेणियां होंगी। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव हेमंत कुमार कलिता ने एक आधिकारिक बयान में कहा, पिछले साल की तुलना में, हमें टैलेंट हंट के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले मुक्केबाजों की समग्र गुणवत्ता बहुत उत्साहजनक रही है। नेशनल्स में दो फाइनलिस्टों के लिए सीधे प्रवेश और नेशनल कैंप में जगह बनाने का बाहरी मौका इस बेहतर भागीदारी के पीछे दो प्रमुख कारण रहे हैं और हम संयुक्त नेशनल्स से कुछ अच्छी प्रतिभाओं का चयन करने के लिए उत्सुक हैं।

इस प्रमुख पहल का उद्देश्य खेल को पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़ाना है और इस प्रक्रिया में उभरती हुई प्रतिभाओं की पहचान करना और उनका पोषण करना है जो विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और ओलंपिक जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए गौरव ला सकें। पिछले साल, प्रतिभा खोज चार स्थानों पर आयोजित की गई थी, उसके बाद एक संयुक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें देश भर में 6,000 से अधिक मुक्केबाजों ने भाग लिया था।

आईएलटी20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट 2024 छह अक्टूबर से, आईसीसी अकादमी ओवल 1 में खेले जाएंगे सभी मैच

दुबई।

इंटरनेशनल लीग टी 20 (आईएलटी-20) डेवलपमेंट टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण रविवार 6 अक्टूबर को आईसीसी अकादमी ओवल 1 में शुरू होगा। पिछले साल की तरह, छह टीमें 18 मैचों के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगी जो एकल-लीग के आधार पर खेला जाएगा। टीमों का चयन पिछले सप्ताह एक ड्राफ्ट के माध्यम से किया गया था - छह पक्षों में से प्रत्येक में 15 खिलाड़ी शामिल हैं और इसमें यूएई के स्टार राष्ट्रीय खिलाड़ी और आईएलटी 20 प्रतिभागी शामिल हैं। टूर्नामेंट यूएई के भावी सितारों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने और सीजन 3 से पहले छह आईएलटी 20 फ्रेंचाइजी को प्रभावित करने का एक और अवसर होगा, जो जनवरी-फरवरी 2025 में खेला जाएगा। छह टूर्नामेंट दस्तों को एक खिलाड़ी चयन ड्राफ्ट के माध्यम से चुना गया था जो पिछले सप्ताह दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया था। टूर्नामेंट के अंत में, प्लेयर सिलेक्शन ड्राफ्ट का एक और दौर होगा। छह आईएलटी 20 फ्रैंचाइज़ी में से प्रत्येक सीजन 3 के लिए अपने यूएई चयन (न्यूनतम चार प्रति स्क्वाड) को पूरा करेगी, आईएलटी 20 सीजन 3 रिटेंशन विंडो में टीमों द्वारा कुल 12 यूएई खिलाड़ियों को रिटेन किया गया। इस प्रकार, आईएलटी 20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट, प्लेयर सिलेक्शन ड्राफ्ट के बाद कुल 12 अतिरिक्त खिलाड़ियों को चुना जा सकता है। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट 2024 - शेड्यूल (सभी 18 मैच आईसीसी अकादमी ओवल 1 - दुबई में खेले जाएंगे): रविवार, 6 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी20 मार्वल्स बनाम डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट, रविवार, 6 अक्टूबर - रात 9 बजे - दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट बनाम गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट, सोमवार, 7 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी20 थंडरबोल्ट्स बनाम आईएलटी20 पर्ल्स, सोमवार, 7 अक्टूबर - रात 9 बजे - गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट बनाम आईएलटी20 मार्वल्स, मंगलवार, 8 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी20 पर्ल्स बनाम दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट, मंगलवार, 8 अक्टूबर - रात

9 बजे - डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट बनाम आईएलटी20 थंडरबोल्ट्स, बुधवार, 9 अक्टूबर - शाम 5 बजे - दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट बनाम आईएलटी20 मार्वल्स, बुधवार, 9 अक्टूबर - रात 9 बजे - गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट बनाम डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट, शुक्रवार, 11 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी 20 थंडरबोल्ट्स बनाम गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट, शुक्रवार, 11 अक्टूबर - रात 9 बजे - आईएलटी 20 पर्ल्स बनाम आईएलटी 20 मार्वल्स, शनिवार, 12 अक्टूबर - शाम 5 बजे - डेजर्ट वाइपर्स डेवलपमेंट बनाम दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट, शनिवार, 12 अक्टूबर - रात 9 बजे - आईएलटी 20 मार्वल्स बनाम आईएलटी 20 थंडरबोल्ट्स, रविवार, 13 अक्टूबर - शाम 7 बजे डेजर्ट वाइपर्स बनाम आईएलटी 20 पर्ल्स, सोमवार, 14 अक्टूबर - शाम 5 बजे - आईएलटी 20 थंडरबोल्ट्स बनाम दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट, सोमवार, 14 अक्टूबर - रात 9 बजे - आईएलटी 20 पर्ल्स बनाम गल्फ जायंट्स डेवलपमेंट, मंगलवार, 15 अक्टूबर - शाम 5 बजे - पहला सेमीफाइनल, मंगलवार, 15 अक्टूबर - रात 9 बजे - दूसरा सेमीफाइनल, बुधवार, 16 अक्टूबर - शाम 7 बजे - फाइनल, आईएलटी 20 डेवलपमेंट टूर्नामेंट 2024 - टीमें इस प्रकार हैं: डेजर्ट वाइपर डेवलपमेंट: अब्दुल्ला कयानी, बासिल हमीद, दानिश कुरेशी, डेनियल पॉसन, ध्रुव पराशर, जुनैद शम्सुद्दीन, खुजैमा बिन अनवर, लवप्रीत सिंह, शाहबाज अली, तैमूर अली, तनिष सूरी, उदीश सूरी, वहाब हसन, वसीम अकरम और जीशान आबिद।, दुबई कैपिटल्स डेवलपमेंट: अली आबिद, फरहान खान, हाफिज अलमास अयूब, हैदर अली, हिलाल नूर, जुनैद खान अफरीदी, इबरार अहमद शाह, खालिद शाह, मोहम्मद अदीब उस्मानी, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जोहैब, नासिर फ़राज़, ओमिद रहमान, राजा अकिफ़ुल्लाह और सफ़ीर तारिक।, गल्फ जाइंट्स डेवलपमेंट: अयान अफजल खान, आर्यन लाकड़ा, हमीद खान, मुहम्मद आफताब जावेद, मुहम्मद हैदर शाह, मुहम्मद इरफान, मुहम्मद सगित खान, मुहम्मद जुहैब जुबैर, नील हेगड़े, सलमान सलीम, शिवाल बावा, समल उदावत्था, उजैर हैदर, वृता अरविंद और जीशान नसीर।, आईएलटी 20 मार्वल्स: अब्दुल रहमान नासिर, अहमद तारिक, अर्याश शर्मा, आर्यन सक्सेना, हर्ष देसाई, माधव मनोज नायर, मुहम्मद रोहिद खान, मुहम्मद वसीम, नीलांश केसवानी, साबिर अली, संचित शर्मा, शाहज़ेब खान, विष्णु सुकुमारन, जहूर खान और ज़ावर फरीद।, आईएलटी 20 पर्ल्स: आदित्य शेट्टी, अलीशान शराफू, आसिफ खान, एथन डिसूजा, हर्षित सेठ, कामरान अट्टा, मतिउल्लाह, मुहम्मद आसिफ, मुहम्मद शाहिद इकबाल, मुहम्मद उजैर खान, पृथ्वी मधु, रोहन मुस्तफा, शाहरुख अहमद, उसैद अमीन और यासिर कलीम।

शास्त्र वस्त्र संहिता...

रोजमर्रा के जीवन में व्यक्ति जो भी काम करता है उसका संबंध भूत, भविष्य और वर्तमान से होता है। जीवन में जो भी कार्य किए जाएं वो शास्त्र सम्मत होने चाहिए न की अपनी इच्छा के अनुसार करने चाहिए। इससे सभी देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है। कपड़ों से संबंधित कुछ खास बातों को ध्यान में रखने से व्यक्ति कभी गरीब नहीं होता। शास्त्रों में कहा गया है की नहाने के बाद गिले वस्त्रों को ऊपर से उतारना चाहिए। नदी में स्नान करने के बाद कपड़ों को ऊपर से नीचे की ओर उतारें। भीगे हुए कपड़ों की चार परत करने के बाद निचोड़ें। कपड़े सुखाते समय पूर्व से या उत्तर से दक्षिण की ओर फैलाना चाहिए। निचोड़े हुए कपड़ों को कंधे पर नहीं रखना चाहिए। नग्न अवस्था में स्नान न करें। शास्त्र वस्त्र संहिता के अनुसार एक वस्त्र धारण करके न तो भोजन करें, न यज्ञ करें, न दान करें, न अग्नि में आहूति दें, न स्वाध्याय करें, न पितृ तर्पण करें। जिसकी किनारी या मगजी न लगी हो, ऐसे वस्त्र धारण करने योग्य नहीं। पहले के पहने हुए वस्त्र को बिना धोए पुनः नहीं पहनना चाहिए। वस्त्र के ऊपर जल छिड़क कर ही उसे पहनना चाहिए। धन के रहते हुए पुराने और मैले वस्त्र नहीं पहनने चाहिए। मनुष्य को भीगे हुए वस्त्र नहीं पहनने चाहिएं। अधिक लाल, रंग बिरंगे, नीले और काले रंग के वस्त्र धारण करना उत्तम नहीं। कपड़ों और गहनों को उल्टा कभी न पहनें।

मोमबत्ती से हो सकती हैं ये खतरनाक बीमारियां

मोमबत्ती का जलाने का शौक आपको भारी पड़ सकता है। मोमबत्ती के पैराफीन के जलने से बेंजीन और टोल्यूनी धुएं में फैलते हैं, जिससे कैंसर होता है। किडनी में गांठ हो सकती है। पैराफीन का धुआं किडनी में गांठ खतरा पैदा कर देता है। कैंडल्स से निकले पैराफीन वैक्स अस्थमा और सांस से संबंधित समस्याएं होने का डर रहता है। सिरदर्द और एलर्जी की समस्या पैदा हो सकती है।

खुजली हो या दांत का दर्द हींग है कारगर

सब्जी व दाल में तड़का लगा कर उनका स्वाद बढ़ाने वाली हींग कई बीमारियों के लिए फायदेमंद मानी जाती है। खाज-खुजली से लेकर पेट संबंधी सभी परेशानियों का अंत कर देती है हींग।

त्वचा संबंधी रोग: दाद, खाज, खुजली या अन्य त्वचा संबंधी परेशानी होने पर हींग को पानी में घिसकर उस स्थान पर लगाएं।

दांत में कीड़ा: दांत में कीड़ा लगने पर हींग का छोटा टुकड़ा सोते वक्त दांत में दबाकर सोएं। इसे पानी में उबालकर कुल्ला करने से दांतों के दर्द में लाभ होता है।

पेट संबंधी परेशानी: इसमें मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेट्री व एंटीऑक्सीडेंट्स पेट संबंधी परेशानियों जैसे अपच, एसिडिटी आदि में सहायक हैं। एसिडिटी होने पर थोड़ी हींग को अजवाइन व काले नमक के साथ लेने से लाभ होता है। वहीं इसे पानी में घिसकर नाभि के आसपास लगाने से भी आराम मिलता है।

खांसी में फायदेमंद: चुटकीभर हींग अदरक व शहद के साथ खाने से खांसी दूर होती है।

क्या वर्कआउट के बाद जरूरी है मसाज

वर्कआउट के बाद मसाज कराने में कोई परेशानी नहीं है। बल्कि इससे तो फयदा ही होता है, मसाज से ना केवल बेहतर महसूस होता है बल्कि मसल्स रिलेक्स होते हैं और दर्द दूर करने में भी सहायता मिलती है। कई बार एक्सरसाइज की शुरुआत करने पर मांसपेशियों में दर्द होता है। इसे एक्सरसाइज के दौरान होने वाला डीओएमएस यानि मांसपेशियों का शुरुआती दर्द कहते हैं। लेकिन आपको परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि पहली बार एक्सरसाइज करने पर थोड़ा दर्द होता हैं, लेकिन एक्सरसाइज करना छोड़ना नहीं चाहिए।

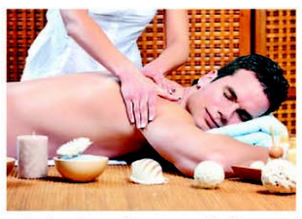

शोध करता है समर्थक: मसाज से रक्त संचार बेहतर होता है और एक्सरसाइज के बाद होने वाले मांशपेशियों के दर्द को भी इससे कम करने में मदद मिलती है। वर्कआउट के बाद डीप टिश्यू मसाज लेने से पोषक तत्वों को ऊर्जा में बदलने में मदद मिलती है। मेडिसीन एंड साइंस इन स्पोर्ट्स एंड एक्सरसाइज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, मसाज लेना वर्कआउट के बाद होने वाली पीड़ा से छुटकारा पाने के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। आप एक्सरसाइज करने के थोड़ी देर बाद कुछ समय के लिए आराम भी कर सकते हैं। इससे एक्सरसाइज करने पर होने वाला दर्द कम हो जाता है। पूरी नींद लें कम से कम आठ घंटे सोने से हार्मोन का उत्पादन बढ़ता है जिससे टिशू रिपेयर और विकास में मदद मिलती है। सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर रमोना ब्रागैंजा के अनुसार, अगर आप हफ्ते में पांच बार वर्कआउट करते हैं, तो आपको हफ्ते में एक बार मसाज करानी चाहिए। अगर आप हफ्ते में कुछ ही दिन वर्कआउट करते हैं, तो आप दो हफ्तों में एक बार या एक महीने में एक बार मसाज करा सकते हैं।

खीरे के अद्भुत

स्वास्थ्यवर्धक लाभ

खीरा सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके सौंदर्य लाभ के बारे में तो आपने काफी कुछ सुना होगा, लेकिन यह आपकी सेहत के लिए कितना और किस तरह फायदेमंद है इसके बारे में आज हम आपको बताते हैं। कम फैट व कैलोरी से भरपूर खीरे का सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक है।

सलाद के तौर पर प्रयोग किए जाने वाले खीरे में इरेप्सिन नामक एंजाइम होता है, जो प्रोटीन को पचाने में सहायता करता है। खीरा पानी का बहुत अच्छा स्रोत होता है, इसमें 96 प्रतिशत पानी होता है। खीरे में विटामिन ए, बी1, बी6 सी, डी पौटेशियम, फास्फोरस, आयरन आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। नियमित रूप से खीरे के जूस शरीर को अंदर व बाहर से मजबूत बनाता है। खीरा कब्ज से मुक्ति दिलाने के साथ ही पेट से जुड़ी हर समस्या में फायदेमंद साबित होता है। इसके अलावा एसिडिटी, छाती की जलन में नियमित रूप से खीरा खाना लाभप्रद होता है।

बालों व त्वचा की देखभाल

खीरे में सिलिकन व सल्फर बालों की ग्रोथ में मदद करते हैं। अच्छे परिणाम के लिए आप चाहें तो खीरे के जूस को गाजर व पालक के जूस के साथ भी मिलाकर ले सकते हैं। फेस मास्क में शामिल खीरे के रस त्वचा में कसाव लाता है। इसके अलावा खीरा त्वचा को सनबर्न से भी बचाता है। खीरे में मौजूद एस्कोरबिक एसिड व कैफीक एसिड पानी की कमी(जिसके कारण आंखों के नीचे सूजन आने लगती है।) को कम करता है।

कैंसर से बचाए

खीरा के नियमित सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। खीरे में साइकोइसोलएरीक्रिस्त्रोल, लैरीक्रिस्त्रोल और पाइनोरिस्त्रोल तत्व होते हैं। ये तत्व सभी तरह के कैंसर जिनमें स्तन कैंसर भी शामिल है के रोकथाम में कारगर हैं।

मासिक धर्म में फायदेमंद

खीरे का नियमित सेवन से मासिक धर्म में होने वाली परेशानियों से छुटकारा मिलता है। लड़कियों को मासिक धर्म के दौरान काफी परेशानी होती है, वो दही में खीरे को कसकर उसमें पुदीना, काला नमक, काली मिर्च, जीरा और हींग डालकर रायता बनाकर खाएं इससे उन्हें काफी आराम मिलेगा।

मधुमेह व रक्तचाप में फायदेमंद

मधुमेह व रक्तचाप की समस्या से बचने के लिए नियमित रुप से खीरे का सेवन फायदेमंद हो सकता है। खीरे के रस में वो तत्व हैं जो पैनक्रियाज को सक्रिय करते हैं। पैनक्रियाज सक्रिय होने पर शरीर में इंसुलिन बनती है। इंसुलिन शरीर में बनने पर मधुमेह से लड़ने में मदद मिलती है। खीरा खाने से कोलस्ट्रोल का स्तर कम होता है। इससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका कम रहती है। खीरा में फाइबर, पोटैशियम और मैगनीशियम होता है जो ब्लड प्रेशर दुरुस्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। खीरा हाई और लो ब्लड प्रेशर दोनों में ही एक तरह से दवा का कार्य करता है।

वजन कम करने में मददगार

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उन लोगों के लिए खीरे का सेवन काफी फायदेमंद रहता है। खीरे में पानी अधिक और कैलोरी कम होती है, इसलिए वजन कम करने के लिए यह अच्छा विकल्प हो सकता है। जब भी भूख लगे तो खीरे का सेवन अच्छा हो सकता है। सूप और सलाद में खीरा खाएं। खीरा में फाइबर होते हैं जो खाना पचाने में मददगार होते हैं।

आंखों के लिए लाभकारी

अक्सर फेसपैक लगाने के बाद आंखों की जलन से बचने के लिए खीरे को स्लाइस की तरह काटकर आंखों की पलक के ऊपर पर रखते हैं। इससे आंखों को ठंडक मिलती है। खीरा की तासीर जलन कम करने की होती है। जरूरी नहीं है कि सिर्फ फेसपैक लगाने के बाद ही ऐसा कर सकते हैं। जब भी आंखों में जलन महसूस हो तो आप खीरे की मदद ले सकते हैं।

मसूड़े स्वस्थ रखता है

खीरा खाने से मसूड़ों की बीमारी कम होती हैं। खीरे के एक टुकड़े को जीभ से मुंह के ऊपरी हिस्से पर आधा मिनट तक रोकें। ऐसे में खीरे से निकलने वाला फाइटोकैमिकल मुंह की दुर्गंध को खत्म करता है।

जोड़ों की दवा

खीरे में सीलिशिया प्रचुर मात्रा में होता है। इससे जोड़ों को मजबूती मिलती है और टिशू परस्पर मजबूत होते हैं। गाजर और खीरे का जूस मिलाकर पीने पर गठिया बाय रोग में मदद मिलती है। इससे यूरिक एसिड का स्तर भी कम होता है।

तो आम सा दिखने वाला खीरा कई गुणों से भरपूर होता है। तो, बिना देर किए आप खीरे को अपने आहार और सलाद का हिस्सा बनाइए।

ये काम करने से आएगी अच्छी नींद

पूरे सप्ताह एक ही वक्त पर सोना और समय पर उठना ही अच्छी सेहत बनाता है और बीमारियों से दूर रहने में मदद करता है। वैसे तो हम सभी हर रोज सोते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि अच्छी व सेहतमंद नींद कैसी होती है और इसका क्या महत्व है।

कुछ विशेष प्रक्रियाएं सामान्य, गुणत्तापूर्ण नींद और दिनभर चुस्त रहने के लिए सेहतमंद नींद के लिए जरूरी हैं। सबसे ज्यादा जरूरी है नींद का समय निर्धारित होना। सोइए अपने शरीर की जरूरतों के अनुसार न कि बहुत कम या बहुत ज्यादा।

देश के ज्यादातर लोगों को यह जानकारी नहीं है कि मोटापा, तनाव, हाईपरटेंशन, मधुमेह, दिल के रोग आदि बीमारियां अनियमित निद्रा से जुड़ी हुई हैं। नींद की अनियमितता रिश्तों में तनाव, कामकाज की क्षमता पर प्रभाव, दुर्घटनाओं, याददाश्त और अन्य कमजोरियों और खराब किस्म के जीवन का कारण बनती है।

इन बातों का रखें ध्यान

* हर रोज एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें।
* अपने शयनकक्ष को सोने और अतरंग पलों के लिए ही रखें।
* अपने शयनकक्ष से टीवी, कंप्यूटर, स्मार्टफोन या टैबलेट और अन्य ध्यान भटकाने वाली चीजें दूर रखें।
* बहुत जरूरी हो तभी दिन में झपकी लें। बहुत ज्यादा नींद आने पर दोपहर में ली गई झपकी रात में हुई नींद की कमी को पूरा करने के लिए बेहतर विकल्प है, लेकिन यही झपकी आपके सोने की क्रिया को अस्त-व्यस्त भी कर सकती है।
* अगर फिर भी झपकी की जरूरत हो तो इसे 20 से 30 मिनट तक सीमित रखें।
* दोपहर के बाद कैफीन से दूर रहें और शराब भी बहुत कम लें।
* शराब नींद लाने का काम कर सकती है, लेकिन यह नींद को बिगाड़ भी कर सकती है।
* नियमित व्यायाम करें, लेकिन सोने से तीन घंटे पहले न करें।
* कामकाजी दिनों में नियमित व्यायाम जरूर करें और जरूरत पड़ने पर सप्ताहांत में नींद की कमी पूरा करें।

इस काम में अपार संभावनाएं मौजूद

कॅरियर के लिए आर्ट-रिस्टोरर बनना बेहतर

ा हमेशा से अपने कॅरियर ो लेकर काफी गंभीर होते क्योंकि कॅरियर के चुनाव ही उनके जिंदगी की मयाबी जुड़ी होती है। ऐसे वे इसमें बहुत सावधानी तते हैं। इन दिनों आर्ट स्टोरर के क्षेत्र में काफी भावनाएं मौजूद हैं। एक र्ट रिस्टोरर बनकर आप म्मानजनक वेतन हासिल र सकते हैं। इनकी मांग ातार बढ़ती जा रही है।

मिलेगी सरकारी नौकरी

प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है आर्ट रिस्टोरेशन, जिसमें पुराने किलों पर हुए आर्ट वर्क जो खराब हो चुके होते हैं उनकी मरम्मत करनी होती हैं। देश की धरोहर समझी जाने वाली प्राचीन कलाकृतियां या मूर्तियां, उनके रख रखाव का काम आर्ट रिस्टोरर का होता हैं। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक व्यवसाय का रूप ले लिया है और आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है या कोर्स खत्म होने पर सरकारी नौकरी भी मिल सकती हैं ।

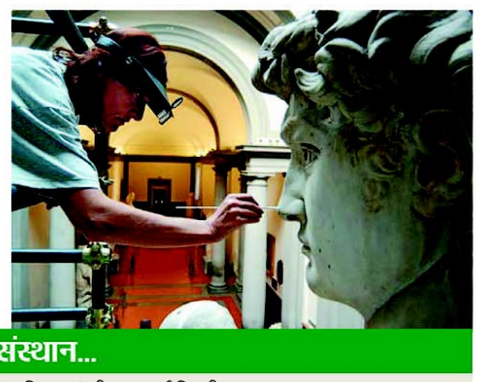

प्रमुख संस्थान...

- नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

फाइन आर्ट की जानकारी जरूरी

इस कॅरियर में जाने से पहले फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स करवाया जाता है , जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में पूरा ब्योरा दिया जाता हैं। कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री, हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्कि टेक्चर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रैजुएट की डिग्री होनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुभव प्राप्त करने के लिए आपको किसी अच्छे आर्ट रिस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है।

रेसिपी

पनीर मक्खनी

सामग्री

ग्रेवी के लिए: 2 कप कटे हुए टमाटर, 1 कप स्लाईस्ड प्याज, 1/2 कप काजू, 4 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टोड़ी हुई, **अन्य सामग्री:** 3 टेबल-स्पून मक्खन, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 25mm दालचीनी का टुकड़ा, 3 लौंग, 2 इलायची, 2 तेज़पत्ता, 1 टेबल-स्पून कसूरी मेथी, 2 टी-स्पून गरम मसाला, 1/2 कप टमाटर की प्युरी, नमक स्वादअनुसार, 1/4 कप फेंटा हुआ ताज़ा दही, 1 टी-स्पून शक्कर, 4 टेबल-स्पून फ्रेश क्रीम, 2 कप पनीर की पट्टीयां

विधि

ग्रेवी के लिए: सभी सामग्री को 11/2 कप पानी के साथ एक गहरे कढ़ाई मे मिलाकर उच्च तापमान पर 10-15 मिनट के लिये या टमाटर के नरम होने तक, बीच-बीच मे हिलाते हुए उबाल लें। ठंडा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधि:** गहरे कढ़ाई मे मक्खन गरम करें, लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। दालचीनी, लौंग, इलायची और तेज़पत्ता डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकन्ड और भुनें। कसूरी मेथी, गरम मसाला, टमाटर की प्युरी, तैयार मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2-3 मिनट पकाएं। दही डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आँच पर एक और मिनट तक पकायें। शक्कर, 1/4 कप पानी, पनीर और क्रीम डालकर हल्के हाथों मिलायें और मध्यम आच पर 2 मिनट तक पकाएं। फ्रेश क्रीम से सजाकर गरमा गरम परोसें।

इसलिए बढ़ जाता है हृदय रोग का खतरा

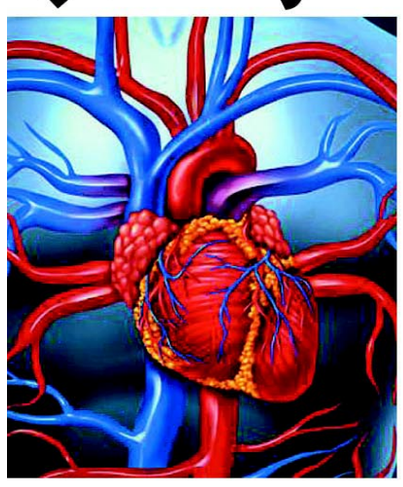

हृदय रोग या स्ट्रोक के कई कारण होते हैं। इसमें हमारे जींस तथा लिंग एक बड़ी भूमिका अदा करते हैं लेकिन अधिकांश के लिए वे जो खाते हैं वह महत्वपूर्ण है। अच्छी खबर यह है कि अपनी डाइट में कुछ छोटे-छोटे परिवर्तन करके आप कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं, जिससे हृदय रोग तथा स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

■ कम फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। ऐसे डेयरी उत्पादों से बचें जिनमें होल मिल्क या क्रीम शामिल हो। इसके विपरीत कम फैट वाले या बिना फैट वाले दुग्ध उत्पादों का सेवन करें। कम फैट वाले स्नैक्स जैसे घर पर बने पॉपकार्न, गाजर, ड्राईफ्रूट्स या ताजा फलों का सेवन करें।

■ स्टोर से खरीदे गए बेकरी उत्पादों के सेवन से बचें,जब तक कि उनमें सैचुरेटिड फैट्स कम न हों और वे ट्रांसफैट्स से रहित न हों। मक्खन या मार्गारीन की बजाय तरल कुकिंग ऑयल्स का इस्तेमाल करें। नस्टिक पैन्स का इस्तेमाल करें।

■ अपने भोजन को फ्राई करने की बजाय इसे बेक, रोस्ट या स्टीम करें। पाम तथा कोकोनट ऑयल्स का प्रयोग न करें। अधिकतर वनस्पति तेल अनसैचुरेटिड होते हैं, लेकिन इन दोनों में अधिक सैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती है। इनकी बजाय आप कैनोला, सनफ्लावर, कार्न फ्लावर, सोयाबीन, ऑलिव या पीनट ऑयल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं।

■ ऐसे खाद्यों पर जोर दें, जिनमें कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट्स मौजूद हों। जैसे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, फलियां तथा मटर। इनमें कैलोरीका कम होती हैं और फाइबर उच्च मात्रा में होता है।

■ अपने हृदय की रक्षा करने के लिए प्रचुर मात्रा में फलों तथा सब्जियों का सेवन करें।

■ हृदय रोगों का खतरा कम करने में मेवे भी बढ़िया भूमिका अदा करते हैं। ये स्वस्थकर प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। इनका सेवन ध्यान से करें, क्योंकि इनमें कैलोरीका बहुत होती हैं। इनके अधिक सेवन से वजन बढ़ सकता है।

पनीर टमाटर पराठा

सामग्री

चपाती के लिए: 1 1/2 कप गेहूं का आटा, नमक स्वादअनुसार, 1 1/2 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने और पकाने के लिए, गेहूं का आटा , बेलने के लिए

मिलाकर भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 1/2 कप चूरा किया हुआ लो-फॅट पनीर, 3/4 कप बीज निकाले हुए और कटे हुए टमाटर, 1/4 कप कटी हुई पीली शिमला मिर्च, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार

विधि

चपाती के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिला लें और ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को ढ़क्कन से ढ़ककर 15 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। आटे को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, मुलायम होने तक दुबारा गूंथ लें।

आगे बढ़ने की विधि: भरवां मिश्रण को 10 भाग में बांट लें और एक तरफ रख दें। आटे को भी 10 भाग में बांट लें। आटे के 1 भाग को, थोड़े सूखे गेहूं के आटे का प्रयोग कर, 150 मिमी। व्यास के गोल आकार में बेल लें। गोले के आधे भाग में भरवां मिश्रण का एक भाग रखें और चंद्राकार में मोड़ ले। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर पराठे को उसके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**